RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:269 ता. 22 अप्रेल 2023, शनिवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सूरत कोर्ट से राहत नहीं मिलने पर राहुल गांधी ने बदला प्लान, आज तक खाली कर देंगे बंगला

● उन्होंने अपना अधिकांश सामना अपनी मां यानी सोनिया गांधी के बंगले में पहले ही शिफ्ट कर लिया है। बंगले को पूरी तरह से खाली करने के लिए वह सूरत कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे थे।

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उस समय बड़ा झटका लगा जब गुजरात की एक अदालत ने 'मोदी सरनेम' केस में सुनाई गई सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। आपको बता दें कि इसी सजा के बाद उनकी लोकसभा की सदस्यता भी चली गई थी। उन्हें बंगला खाली करने का भी नोटिस दिया गया था। उन्होंने अपना अधिकांश सामना अपनी मां यानी सोनिया गांधी के बंगले में पहले ही शिफ्ट कर लिया है। बंगले को पूरी तरह से खाली करने के लिए वह सूरत कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे थे। हालांकि, सूत्र बता रहे हैं कि अब वह शनिवार तक इसे खाली कर देंगे। आपको बता दें कि लोकसभा हाउसिंग पैनल द्वारा राहुल गांधी के लिए घर खाली करने की समय सीमा रविवार तक के लिए निर्धारित की गई है। राहुल गांधी को 27 मार्च को बंगला खाली करने का नोटिस मिला था।

सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के अनुसार दो साल की सजा पाने वाला दोषी सांसद नहीं हो सकता है। इसी कारण से अब राहुल गांधी भी उस बंगले में नहीं रह सकते हैं जो उन्हें बतौर सांसद 2005 में मिला था। वह करीब 19 साल तक इस बंगले में रहे।

फैसला सुनाने के बाद गुजरात की अदालत ने उन्हें अपील दायर करने के लिए 30 दिन का समय दिया था। राहुल गांधी की अपील पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने उन्हें किसी भी तरह का राहत देने से इनकार कर दिया। इसके बाद उन्होंने बंगला को पूरी तरह से खाली करने का मन बना लिया है। राहुल गांधी अब 10 जनपथ में अपनी मां सोनिया गांधी के बंगले में रहेंगे। कांग्रेस ने बेदखली की नोटिस पर केंद्र सरकार पर बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया था। हालांकि, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने तमाम आरोपों को खारिज कर दिया था।

● बंगले को पूरी तरह से खाली करने के लिए वह सूरत कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे थे। हालांकि, सूत्र बता रहे हैं कि अब वह शनिवार तक इसे खाली कर देंगे। आपको बता दें कि लोकसभा हाउसिंग पैनल द्वारा राहुल गांधी के लिए घर खाली करने की समय सीमा रविवार तक के लिए निर्धारित की गई है। राहुल गांधी को 27 मार्च को बंगला खाली करने का नोटिस मिला था।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में आरोपी का वीडियो वायरल, दावा- अमेरिका में नाचता दिखा लॉरेंस का भाई

नई दिल्ली। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई और पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के प्रमुख आरोपियों में से एक अनमोल बिश्नोई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। करण औजला और शैरी मान एक समारोह में गीत गाते हुए दिखाई दे रहे हैं और इनके साथ अनमोल बिश्नोई भी नाचता नजर आ रहा है। हालांकि, वीडियो में नाचता दिख रहा युवक अनमोल है या नहीं, एजेंसियों की ओर से अभी इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो अमेरिका का है। बहरहाल वीडियो की जांच की जा रही है। उधर, एजेंसियों की मानें तो मूसेवाला की हत्या के बाद कथित आरोपी अनमोल बिश्नोई फर्जी पासपोर्ट बनवाकर भारत से फरार हो गया था। इंटरपोल की मदद से जांच में जुटीं भारतीय एजेंसियां उसे भारत लाने का प्रयास कर रही हैं। एजेंसियों ने आशंका जताई है कि अनमोल अमेरिका में हो सकता है। वह इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस पर है। मूसेवाला हत्याकांड की जांच कर रही पंजाब पुलिस ने अनमोल को एक प्रमुख साजिशकर्ता माना था। हालांकि, इसके कुछ दिन बाद ही यह सूचना मिली कि वह फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल कर भारत से भाग गया है। उधर, गायक सिंगर करण औजला पर भी सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के आरोप लगे थे, हालांकि इसका कोई सबूत नहीं मिला था, तब करण के लॉरेंस बिश्नोई से करीबी होने की बात सामने आई थी। करण ने इसका खंडन किया था, लेकिन इस वीडियो में करण औजला लॉरेंस बिश्नोई के भाई के साथ पार्टी में दिख रहा है। अब करण औजला भी एजेंसियों के राडार पर है।

29 मई को मूसेवाला की हुई थी हत्या–बता दें कि 29 मई 2022 को छह शूटरों ने सिद्धू मूसेवाला की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद से ही पंजाब म्यूजिक इंडस्ट्री में तनाव का माहौल है।

यमुना प्राधिकरण की भूल पड़ी भारी, जमीन खरीदे बिना ही 55 उद्योगों को आवंटित कर दिए प्लॉट

ग्रेटर नोएडा। नोएडा में बिना अधिग्रहण किए ही बिल्डर को जमीन आवंटन के खुलासे के बाद अब यमुना प्राधिकरण में भी एक ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां पर प्राधिकरण ने बिना जमीन खरीदे ही 55 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन कर दिया। 2013 में भूखंड आवंटन करने के बाद प्राधिकरण जमीन खरीदना ही भूल गया। मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आया तो तीन माह में भूमि खरीदकर आवंटियों को कब्जा देने की बात कही है। यीडा के सेक्टर-33 में औद्योगिक आवंटियों को भूखंड पर कब्जा नहीं मिल पा रहा है। भूखंड आवंटित हो गए और वहां पर विकास कार्य भी चल रहे हैं। इस सेक्टर में 2013 में भूखंड आवंटन शुरू हुआ था, लेकिन अभी तक कब्जा नहीं मिल पाया है। हालांकि, प्राधिकरण यहां पर विकास कार्यों को कराने में जुटा है। इस सेक्टर में ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें बिना जमीन खरीदे ही 2013 में भूखंड आवंटित कर दिए गए। 10 सालों से आवंटी कब्जा लेने के लिए चक्कर काट रहे हैं। जिन जमीन पर भूखंड आवंटित किए गए, वह जमीन भुन्ना तगा गांव की है। गुरुवार को आवंटियों की बैठक में यह मामला उच्च अधिकारियों के सामने उठा तो इस पर कार्रवाई शुरू हुई। इन आवंटियों को भरोसा दिया गया कि 90 दिनों में जमीन खरीदकर उन्हें कब्जा दे दिया जाएगा। अफसरों के इस आश्वासन पर आवंटियों ने राहत की सांस ली।

नहीं हुए विकास कार्य– यमुना एक्सप्रेसवे इंटरप्योन्योर एसोसिएशन के अध्यक्ष ऋषभ निगम और सचिव इमरान गनी ने बताया कि आवंटन के 10 साल बाद भी भूखंड पर कब्जा नहीं मिल पाया है। सेक्टर की हालत खराब है। इस सेक्टर में केवल ट्वाय पार्क के भूखंड विकसित किए गए हैं।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा, औद्योगिक सेक्टर-33 में 55 भूखंडों की जमीन खरीदी जाएगी। तीन महीने में यह काम पूरा करके आवंटियों को कब्जा दे दिया जाएगा।

अतीक-अशरफ की हत्या के बाद क्यों अचानक बंद हो गए 22 जिलों के 3 हजार फोन? सुराग जुटा रही एसटीएफ

लखनऊ। प्रयागराज में अतीक-अशरफ की हत्या के बाद सर्विलांस पर लिए गए तीन हजार मोबाइल फोन अचानक बंद हो गए। उमेश पाल की हत्या के मामले में फरार शूटरों और मददगारों की तलाश के लिए इन नम्बरों को सर्विलांस पर लेकर सुराग जुटा रही थी। अतीक-अशरफ की हत्या के बाद दूर दराज के रिश्तेदार व सम्पर्क में रहने वाले अब दहशत में आ गए हैं। एक साथ इतने सारे मोबाइल नम्बर ऑफ हो जाने से जांच भी प्रभावित हो रही है। हालांकि कॉल डिटेल के आधार पर एसटीएफ ने अब मुखबिरों की मदद फिर से लेना शुरू कर दिया है।

24 फरवरी को उमेश पाल की हत्या के बाद एसटीएफ ने असद, गुलाम, अरमान और साबिर व शाइस्ता को ढूंढ़ने के लिये पांच हजार से अधिक मोबाइल नम्बर सर्विलांस पर ले रखे थे। इससे एसटीएफ को कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी मिली थी। इसी के बाद एसटीएफ दिल्ली में तीन मददगारों तक पहुंची थी। इन मददगारों से ही असद व गुलाम की लोकेशन मिली थी। फिर इन लोगों का अजमेर से पीछा करते हुये झांसी में एसटीएफ ने दोनों को घेर लिया था। मुठभेड़ में दोनों मार गिराये गये थे। इसके बाद ही 15 अप्रैल को प्रयागराज में रिमांड अवधि में माफिया अतीक व अशरफ की सरेआम हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरा प्रयागराज और अंडरवर्ल्ड दहल गया था।

एसटीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि अतीक व अशरफ की हत्या के बाद तीन दिन में एक-एक कर करीब तीन हजार मोबाइल नम्बर स्विच ऑफ हो गये। यही नहीं इनमें से ज्यादातर लोग अपने घरों से भी चले गये। किसी ने दूर अपने दोस्तों के यहां शरण ले ली तो कोई घूमने की बात पड़ोसियों से कहकर चला गया। एसटीएफ का कहना है कि अचानक नम्बरों के बंद होने से कई लोग रडार पर थे जिनके बारे में सब कुछ जानते हुये भी उन पर हाथ नहीं डाला जा रहा था। ऐसा इसलिये किया जा रहा था कि शायद इनके सम्पर्क में कोई आरोपित आ जाये तो उस तक पहुंचा जा सके।

लखनऊ, दिल्ली, बाराबंकी, कानपुर समेत 22 जिलों के नम्बर थे

एसटीएफ और प्रयागराज पुलिस ने लखनऊ, प्रयागराज, दिल्ली, बाराबंकी, कानपुर, गाजियाबाद, नोएडा, अजमेर, शाहजहांपुर, झांसी, हरदोई, बरेली, सहारनपुर, पटना, रांची, रायपुर समेत 22 जिलों के ये नम्बर स्विच ऑफ हुए हैं। इनमें कुछ मोबाइल नम्बर कुछ दूसरे माफिया गिरोहों से जुड़े लोगों के भी थे। हालांकि अतीक-अशरफ की हत्या के बाद एसटीएफ ने कुछ और नम्बरों को सर्विलांस पर लिया है।

असम कांग्रेस ने अंगकिता दत्ता को भेजा कारण बताओ नोटिस

गुवाहाटी। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने असम प्रदेश यूथ कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष डॉ. अंगकिता दत्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिन्होंने भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के खिलाफ उन्हें परेशान करने और भेदभाव करने का आरोप लगाया था।

अंगकिता दत्ता को भेजा कारण बताओ नोटिस

APCC अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने गुरुवार को अंगकिता दत्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और कम समय में स्पष्टीकरण मांगा है। कारण बताओ नोटिस अंगकिता दत्ता द्वारा गुवाहाटी के दिसपुर पुलिस स्टेशन में श्रीनिवास बीवी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के घंटों बाद आया है। हालांकि पुलिस ने अभी तक मामला दर्ज नहीं किया है। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक शीर्ष सूत्र ने एएनआई को बताया कि APCC ने गुरुवार को अंगकिता दत्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किया और उन्हें जवाब देने के लिए दो दिन का समय दिया है। APCC सूत्र ने यह भी कहा कि इससे पहले APCC ने अंगकिता दत्ता को पिछले साल दिसंबर में भी कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

अंगकिता दत्ता ने श्री निवास बीवी पर लगाए थे आरोप–मंगलवार को ट्विटर पर अंगकिता दत्ता ने कहा कि @IYCPresident @srinivasiyc ने मुझे लगातार परेशान किया है और मेरे साथ भेदभाव कर रहा है। मेरे संस्कार और शिक्षा अब मुझे इसकी इजाजत नहीं देते। कई बार सामने लाने के बावजूद नेतृत्व ने अनसुना कर दिया है @RahulGandhi @kcvenugopalmp @priyankagandhi।

अंगकिता ने एक ट्वीट में कहा कि मैं चार पीढ़ियों की कांग्रेसी हूं। मैं दो बार आंतरिक संगठन से चुनाव लड़ चुकी हूं, बूथ समिति बनाई।

कोरोना की बढ़ी रफ्तार से बने लॉकडाउन के आसार ?

मॉल्स और मल्टीप्लेक्स में बिना मास्क प्रवेश पर लगी रोक

नोएडा। देशभर में एक बार फिर कोरोना की रफ्तार बढ़ते ही सख्तियों का दौर शुरू हो गया है। अब नोएडा के मॉल और मल्टीप्लेक्स में बिना मास्क प्रवेश नहीं मिलेगा। जिला प्रशासन ने गुरुवार को दिशा-निर्देश जारी किए। अभी भी जिले में एक्टिव मामलों की संख्या 700 के पार हैं। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने सभी मॉल, मल्टीप्लेक्स, सिनेमा हॉल को कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की बात कही है। इन स्थानों पर मास्क पहनने वाले लोगों को ही प्रवेश देने के निर्देश दिए हैं। मॉल प्रबंधन को मास्क की अनिवार्यता के साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग, थर्मल स्कैनिंग की भी व्यवस्था करनी होगी। साथ ही समय-समय पर सैनिटाइजेशन भी करना होगा। यहां संक्रमण से बचाव के लिए अपनाए जाने वाले उपाय के बारे में अनाउंसमेंट भी करनी होगी। विजिटर्स को मास्क और सैनिटाइजर का निशुल्क वितरण करना होगा। खरीदारी करते समय दस्ताने के उपयोग के बारे में भी कहा गया है।

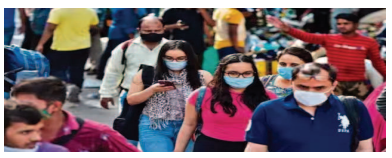

कोरोना संक्रमित 110 नए मरीज मिले – कोरोना संक्रमित 110 नए मरीज की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को की। 705 मरीजों का इलाज होम आइसोलेशन और अस्पतालों में चल रहा है। इस सीजन में पहली बार एक दिन में 100 मरीज स्वस्थ हुए। 144 मरीज होम आइसोलेशन और अस्पताल से स्वस्थ हुए। एक दिन पहले 99 मरीज स्वस्थ हुए थे।

5 प्रतिशत संक्रमितों की उम्र 18 साल से कम

कोरोना संक्रमित 5 प्रतिशत एक्टिव मरीजों की संख्या 18 साल से कम है। अभी 39 बच्चे और किशोर का इलाज होम आइसोलेशन में चल रहा है। पिछले साल तीसरी लहर के दौरान 18 साल से कम उम्र के कोरोना संक्रमित 10 प्रतिशत से ज्यादा थे। सभी स्कूलों में क्लासेस चल रही हैं। एहतियात के तौर पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है।

महाराष्ट्र में बढ़ती गर्मी के मद्देनजर शिक्षा बोर्ड ने आज से अवकाश घोषित किया

मुंबई। महाराष्ट्र में बढ़ते तापमान के मद्देनजर राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सभी स्कूलों में शुक्रवार से अवकाश घोषित कर दिया। इस संबंध में स्कूल शिक्षा एवं खेल विभाग ने गुरुवार रात शासनादेश जारी किया। सरकार ने आदेश दिया गया है कि प्रदेश के अन्य बोर्डों के विद्यालय यदि निर्धारित समय पर चल रहे हैं या फिर ऐसे विद्यालय जहां महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं तो विद्यालय प्रशासन अपने स्तर पर अवकाश घोषित करने के संबंध में निर्णय ले सकते हैं। इस बीच, अनियमित मौसम के कारण राज्य भर में झूलसने वाली गर्मी का अहसास किया जा रहा है, जिससे लोगों को दैनिक गतिविधियों में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और राज्य के अधिकांश स्थानों पर दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया।

बर्तन में गिरी छिपकिली निकाल ग्राहकों को खिलाई चाट, बिगड़ी 150 की तबीयत

धनबाद। बलियापुर के हुचुकटांड़ में लगे मेले में चाट-गोलगप्पे खाने से फूड प्वाइजनिंग के शिकार हुए 150 लोगों में से गुरुवार को 146 को एसएनएमएमसीएच (शहीद निर्मल महतो मेमोरियल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल) से छुट्टी दे दी गई। 2 बच्चे और 2 महिलाएं अब भी इलाजरत हैं। 2 महिलाओं को गुरुवार को भी भर्ती कराया गया। अस्पताल के डॉ यूके ओझा ने कहा कि सभी खतरे से बाहर हैं। एक-दो दिन में उन्हें भी डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। मरीजों को एक सप्ताह तक हल्का व सादा भोजन करने की सलाह दी गई है।

छिपकली गिरने के बाद भी खिला दिया चाट

इधर, फूड प्वाइजनिंग से बीमार पड़ने वाले बुधन रवानी का कहना है कि मेला में जिस दुकान से उनलोगों ने चाट-गोलगप्पे खाया था उसका तीन स्टॉल लगा हुआ था। दुकान काफी बड़ा था। बुधन का कहना है घटना के बाद पूछताछ में दुकानदार ने बताया कि चाट में लोहटन (छिपकली की तरह का एक प्रकार का कीड़ा) गिर गया था। उसी चाट को तीनों स्टॉल में लगा दिया। करमाटांड़ ब्रिज के पास कहलडीह गांव के रहने वाले चाट विकेता का कहना था कि 5हजार का सामान बना हुआ था। इसलिए, लोहटन गिरने के बाद भी नहीं फेंका। लोहटन गिरने के बाद उसी चाट को ग्रामीणों को खिला दिया। जिन लोगों ने उसकी दुकान का चाट खाया, सभी बीमार हो गए। बुधन के अनुसार उसके अलावा सात-आठ गांव के लोगों ने उस दुकान से चाट खाया था।

150 से ज्यादा लोग हुए फूड प्वॉइजनिंग के शिकार

गौरतलब है कि धनबाद के करमाटांड़ प्रखंड अंतर्गत बलियापुर के हुचुकटांड़ में लगे चड़क पूजा मेला के दौरान चाट और गोलगप्पा खाने से 150 से ज्यादा लोगों की तबीयत बिगड़ गई। सभी फूड प्वॉइजनिंग का शिकार हो गए थे। बीमार पड़ने वालों में अधिकांश संख्या बच्चों और महिलाओं की थी। तकरीबन 100 लोगों को धनबाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया था। इतनी बड़ी संख्या में मरीजों की भर्ती होने से डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ भी भौचक्के रह गए। करीब 50 लोगों का धनबाद के अलग-अलग निजी अस्पताल में इलाज करवाया गया।

नाम्बिया और दक्षिण अफीका से लाए गए चीतों के रखे गए नाम, 11565 लोगों ने भेजे थे सुझाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार, 20 अप्रैल को नाम्बिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों के आधिकारिक नाम की घोषणा की। इस बात की जानकारी केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने ट्विटर के जरिए की। यादव ने ट्विटर पर एक वीडियो शेयर की थी, जिसमें चीतों की तस्वीरों के साथ उनके नाम लिखे हुए थे। इसके अलावा वीडियो में उन लोगों के नाम भी दिए गए थे, जिन्होंने चीतों के नाम के सुझाव केंद्र को भेजे थे। इस वीडियो के साथ मंत्री ने कैप्शन में लिखा, 'चीतों के नाम! 25 सितंबर 2022 को, पीएम श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने मन की बात संबोधन के दौरान लोगों से नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों के लिए नाम सुझाने को कहा था। इसके बाद एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अपने चीतों और विजेताओं के नाम साझा करते हुए खुशी हो रही है।' भारत के कूनो नेशनल पार्क में स्थानांतरित किए गए चीतों को अब आशा, पवन, नाभा, ज्वाला, गौरव, शौर्य, धात्री, दक्ष, निर्वा, वायु, अग्नि, गामिनी, तेजस, वीरा, सूरज, धीरा, उदय, प्रभास और पावक कहकर पुकारा जाएगा। इन चीतों के नाम 11565 लोगों द्वारा दिए गए सुझावों में से चुने गए हैं। बता दें, पीएम मोदी ने सितम्बर 2022 में मन की बात में लोगों से चीतों के नाम सुझाने का आग्रह किया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने एक प्रतियोगिता शुरू की थी। इस प्रतियोगिता में हजारों लोगों ने भाग लिया और चीतों के नाम के सुझाव दिए थे। केंद्र द्वारा आयोजित की गयी इस प्रतियोगिता का उद्देश्य आम लोगों को प्रोजेक्ट चीतक के बारे में जागरूक करना था। साल 1952 में, भारत में चीतों को विलुप्त घोषित कर दिया गया था। इसके बाद से दूसरे देशों से भारत में चीतों को लाने के प्रयास किए जा रहे थे, जो पिछले साल सफल हुए हैं। नरेंद्र मोदी सरकार के तहत 17 सितंबर, 2022 को नामीबिया से आठ चीतों को देश में लाया गया। इन चीतों को पीएम मोदी ने कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा था। इसके बाद 18 फरवरी, 2023 को साउथ अफ्रीका से बारह चीतों को भारत लाया गया था। इन चीतों में 7 नर और 5 मादा थी।

राज ठाकरे के बयान पर राऊत का पलटवार, यूपी और गुजरात के सीएम के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज हो

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को निशाना बनाने वाली टिप्पणियों को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे पर हमला किया। शिवसेना के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का बचाव करने का प्रयास कर राज ठाकरे ने यह कहकर हंगामा खड़ा कर दिया कि कोविड के दौरान व्यवस्था बनाने में मुख्यमंत्री के रूप में उद्धव ठाकरे असफल रहे और यह गैर इरादतन हत्या के समान है। वह विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की सीएम एकनाथ शिंदे के इस्तीफे की मांग, उनकी सरकार को बर्खास्त करने और नवी मुंबई त्रासदी में 14 लोगों की जान जाने के जिम्मेदार अधिकारियों पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग के जवाब में बोल रहे थे। सत्तारूढ़ शिवसेना के मंत्री उदय सामंत ने राज की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि जिस भ्रष्टाचार के कारण कोरोना से मौतें हुईं, उस उजागर किया जा सकता है और तत्कालीन सीएम पर गैर इरादतन हत्या के आरोप लगाए जा सकते हैं। जवाब में, राउत ने कहा कि राज सत्तारूढ़ सहयोगी भाजपा के पालतू तोते हैं और उन्होंने उत्तर प्रदेश और गुजरात के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ कोरोना के दौरान उनकी विफलता के लिए गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज करने की मांग करने को कहा। राउत ने मांग की, उद्धव ही क्यों, उन्हें गुजरात और यूपी के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ इसी तरह की जांच का आदेश देने देना चाहिए, उन हजारों शवों को याद करें, जिन्हें यूपी में गंगा नदी में फेंक दिया गया था या दाह संस्कार के लिए इंतजार कर रहे सैकड़ों लोगों के लोगों की लंबी कतारें।

ममता सरकार पर केंद्र का बकाया, गृह मंत्रालय ने राशि चुकाने का दबाव बढ़ाया

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधा है। ममता बनर्जी ने भी उनके इस्तीफे की मांग की है। ममता की तरफ से ये टिप्पणी ऐसे वक्त में सामने आई है जब गृह मंत्रालय ने केंद्रीय बलों से बकाया राशि मांगने के लिए राज्य पर दबाव बढ़ाया। मंत्रालय ने एक लिखित संदेश में कहा है कि बकाया के कारण मूल राशि पर जुर्माना लगाया गया है। परिणामस्वरूप अब तक करीब 1852 करोड़ रुपये का निस्तारण होना शेष है। हालांकि आधिकारिक तौर पर इस बारे में किसी ने कुछ नहीं कहा है, लेकिन गृह विभाग के एक सूत्र ने बताया कि राज्य पर केंद्र की बड़ी रकम बकाया है। यह पैसा उन्होंने लंबे समय से रोक रखा है। उस लिहाज से मंत्रालय द्वारा मांगी गई राशि बहुत कम है। चुनाव, कानून व्यवस्था सहित कई कारणों से केंद्रीय बलों को राज्यों में तैनात किया जाता है। लगभग सभी मामलों में केंद्र राज्यों से बलों के लिए एक निश्चित राशि की मांग करता है। सूत्रों के मुताबिक मंत्रालय की ओर से राज्य प्रशासन के आला अधिकारियों को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि पिछले साल 30 जून तक राज्य पर इस क्षेत्र का करीब 1806 करोड़ बकाया है। पिछले साल एक अक्टूबर से 31 दिसंबर तक करीब 21 करोड़ रुपए भी बकाया थे। मंत्रालय के नियमों के मुताबिक, इस क्षेत्र में 90 दिनों के भीतर भुगतान न करने पर 2.5ब की दर से जुर्माना लगाया जाता है। अब तक करीब 44 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ दबा है। कुल मिलाकर राज्य को करीब 1852 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा।

बीहार में जाति आधारित सर्वेक्षण के खिलाफ याचिका पर 28 अप्रैल को होगी सुनवाई

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बिहार में जाति के आधार पर सर्वेक्षण कराने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ दायर एक नयी याचिका पर 28 अप्रैल को सुनवाई करने पर शुक्रवार को सहमति जताई। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ ने मामले की तत्काल सुनवाई का अनुरोध करने संबंधी एक वकील के प्रतिवेदन का संज्ञान लिया। वकील ने पीठ से कहा कि जाति आधारित सर्वेक्षण 15 अप्रैल को शुरू हुआ था और यह 15 मई को पूरा होना है। पीठ ने कहा कि वह मामले पर 28 अप्रैल को सुनवाई करेगी। उच्चतम न्यायालय ने बिहार में जातिगत सर्वेक्षण कराने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई से 20 जनवरी को इनकार कर दिया था। उसने यह कहते हुए याचिकाओं को खारिज कर दिया था कि इनमें कोई दम नहीं है। बहरहाल, पीठ ने याचिकाकर्ताओं को छूट दी कि वे संबंधित उच्च न्यायालय का रुख कर सकते हैं।

ओमिक्रॉन से भी खतरनाक हो सकता नया वैरियंट

-वैज्ञानिकों की चेतावनी-तबाही मचा सकती है नई स्ट्रेन !

नई दिल्ली। कोरोना के नए वैरिएंट आर्टुरस ने भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में पैर परसारना शुरू कर दिया है। ऐसे में वैज्ञानिकों ने इसे लेकर कुछ अंदेशा ज़ाहिर किया है। वैज्ञानिक इस बात का दावा कर रहे हैं कि कोरोना का नया वैरिएंट जिस तरह से बढ़ रहा है, ये ओमिक्रॉन से भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। अब तक कोरोना का सबसे खतरनाक स्ट्रेन ओमिक्रॉन को ही माना जा रहा था क्योंकि ये स्पाइक प्रोटीन की वजह से लोगों के बहुत जल्दी संक्रमित कर देता था।हमारे देश में पिछले एक हफ्ते के अंदर कोविड ने 11 हज़ार से ज्यादा नए केसेज़ रिकॉर्ड किए गए हैं।कोविड की ये नई स्ट्रेन अब तक 22 से ज्यादा देशों में पाई गई है।इंडिपेंडेंट से बात करते हुए वायरोलॉजी यानि वायरस के एक्सपर्ट यूनिवर्सिटी ऑफ वॉरविक के प्रोफेसर लॉरेंस यंग ने चेताया है कि हमें निश्चिंत नहीं होना चाहिए।उनका कहना है कि जब भी कोई नया वैरिएंट आता है, हमें ये समझना पड़ता है कि वो कितना प्रभावी है।जब तक इसका दुष्प्रभाव नहीं दिखता, तब तक हम इसकी गंभीरता समझ नहीं पाते हैं।कुछ रिपोर्टस बताती हैं कि ज्यादातर देशों में सुरक्षा व्यवस्थाएं ढीली हो चुकी हैं।टेस्टिंग से लेकर वैक्सिनेशन में भी कमी आ गई है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के अवर वर्ल्ड इन डेट प्रोजेक्ट के तहत यूरोप में टेस्टिंग 600 तक पहुंच गई है, जबकि यूके समेत कई देशों में कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में भी कमी आ चुकी है।लोग आर्टुरस वैरिएंट को पिछले कुछ वैरिएंट्स की तरह हल्के में ले रहे हैं, लेकिन इससे ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है।बता दें कि जब से कोरोना वायरस हमारी जिंदगी में आया है, तब से उसके नए-नए वैरिएंट्स ने समय-समय पर तबाही मचाई है।

नड्डा का कांग्रेस पर तंज, कहा- बांटते-बांटते वह खुद भी इतने बंट गए कि उनके पास कुछ रहा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक चुनाव को लेकर भाजपा अपनी पूरी ताकत लगा रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा लगातार कर्नाटक का दौरा कर रहे हैं। कर्नाटक ने बीदर में जेपी नड्डा ने श्री रामकृष्ण आश्रम का दौरा किया। इस दौरान नड्डा ने वहां मौजूद लोगों से बातचीत भी की। नड्डा ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने आजादी से लेकर आज तक समाज को बांटने का ही काम किया है। उन्होंने कहा कि बांटते-बांटते वह खुद भी इतने बंट गए कि उनके पास कुछ रहा नहीं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस को हटे 60 वर्ष हो गए..जो पांव उखड़े तो उखड़े ही रह गए।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि केरल में लगभग साढ़े 8 साल से सरकार से बाहर है। न वो तेलंगाना में रहे और न ही आंध्र प्रदेश में रहे। जब कांग्रेस और छ्ष्ठस्-सरकार आती है और जब कांग्रेस-छ्ष्ठस्- भाई-भाई की सरकार आती है तो भारत की योजना कर्नाटक की जनता को मिलने से रोक दिया जाता है। नड्डा ने यह भी कहा कि हमें स्वामी विवेकानंद जी के दिखाए रास्ते पर चलना है। उनका महान जीवन अपने आप में एक सीख रहा है। हमें अपने जीवन को आलोकित करने के लिए उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में, युवाओं के कौशल विकास और प्रशिक्षण के क्षेत्र में आपके प्रयास सराहनीय हैं। यह सब मिलकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाएंगे। इसके लिए मैं आप सभी को बधाई देता हूं।

नड्डा ने कहा कि सत्य की खोज में स्वामी विवेकानंद जी ने अपना जीवन लगा दिया और जो ज्ञान उनका था, उस ज्ञान को उन्होंने समाज को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने में आप अच्छा योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि गौ-सेवा के महान कार्य, जैविक खेती को बढ़ावा देना और युवाओं को सशक्त बनाना आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में मदद कर रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिमला में राष्ट्रपति निवास को आम लोगों के लिए खोलने की घोषणा की

नई दिल्ली। शिमला में भारी ओलावृष्टि के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को आधिकारिक रूप से राष्ट्रपति निवास को आम लोगों के लिए खोलने की घोषणा की और कहा कि लोगों को 23 अप्रैल से यहां आने की अनुमति दी जाएगी। राष्ट्रपति ने यह घोषणा हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के मशोबरा प्रखंड के छाबड़ा स्थित 173 साल पुराने 'हेरिटेज भवन' में आयोजित एट होम समारोह के दौरान की। 'राष्ट्रपति निवास' में पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षणों में मुख्य भवन, भोजन कक्ष, कलाकृतियां और बगीचें आदि शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि भवन में प्रवेश शुल्क भारतीय नागरिकों के लिए 50 रुपये प्रति व्यक्ति और विदेशी नागरिकों के लिए 250 रुपये प्रति व्यक्ति तय की गई है। एट होम समारोह में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कैबिनेट सहयोगी, विधायक, राज्य के वरिष्ठ नागरिक और पुलिस अधिकारी, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और शहर के अन्य प्रमुख लोग शामिल हुए। एक बयान में कहा गया कि इससे पहले दिन में राष्ट्रपति ने भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान (आईआईएएस) पहुंची और पिक्चर गैलरी, पुस्तकालय, संरक्षित कार्यालयों और मुख्य भवन के प्रांगण का दौरा किया।

जम्मू- कश्मीर के पुंछ में शहीद जवानों के नाम व तस्वीरें जारी, जांच करने पहुंचेगी एनआईए टीम

- आतंकी हमले में शहीद जवानों में पांच पंजाब तो एक जवान ओडिशा से

पुंछ (एजेंसी)। भारतीय सेना से गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ में हुए आतंकी हमले में शहीद होने वाले पांच जवानों के नाम व उनकी तस्वीरें जारी की हैं। शहीद जवानों में पांच जवान पंजाब तो एक जवान ओडिशा से हैं। नगरोटा स्थित सेना की 16वीं कोर के शहीद जवानों में हवलदार मनदीप सिंह, लांस नायक देवाशीष बसवाल, लांस नायक कुलवंत सिंह, सिपाही हरकिशन सिंह और सिपाही सेवक सिंह हैं। इस आतंकी हमले की जांच के लिए एनआईए की टीम भेजी गई है। जो इस पूरे आतंकी हमले की जांच करने वाली है। भारतीय सेना के व्हाइट नाइट कॉर्प्स के ट्विटर हैंडल से पुंछ टेरर अटैक के शहीदों की तस्वीरें जारी की गई है। उन्होंने कहा कि व्हाइट नाइट कॉर्प्स शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता के साथ खड़ा है। बता दें कि शहीद जवान भारतीय सेना की राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट के जवान थे और इस क्षेत्र में उनकी तैनाती आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए की गई थी। जानकारी के अनुसार इस हमले को अंजाम देने के लिए आतंकवादी पहले से ही घात लगाकर बैठे थे।

दरअसल, आतंकियों का निशाना पूरा का पूरा सेना का काफिला था, लेकिन उस दिन सेना की सिर्फ एक गाड़ी ही उस रास्ते से गुजर रही थी। यह भी बता दें कि सेना के जवान उस समय इफ्तार पार्टी के लिए सामान लेने जा रहे थे। पुंछ में आतंकी हमला ऐसे समय में हुआ है जब सभी सुरक्षा एजेंसियां अगले माह कश्मीर में प्रस्तावित जी-20 बैठक को शांत, सुरक्षित एवं विश्वासपूर्ण माहौल में कराने की तैयारियों में जुटी हुई हैं। हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) के नेटवर्क को तबाह करने की एजेंसियों ने तैयारी कर ली है। पीएएफएफ को द रेजिस्टेंस फ्रंट जिसे टीआरएफ कहते हैं। टीआरएफ की तर्ज पर ही पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने पाकिस्तान में बैठे आतंकी संगठनों के सरगनाओं के साथ मिलकर खड़ा किया है लेकन यह संगठन टीआरएफ से ज्यादा खतरनाक है। टीआरएफ के आतंकी जहां टारगेट किलिंग को अंजाम देने में या फिर ग्रेनेड हमलों तक खुद को सीमित रखते हैं, वहीं पीएएफएफ के आतंकी आम नागरिकों को निशाना बनाने से लेकर सुरक्षाबलों पर घात लगाकर हमला करने से भी पीछे नहीं हटते।

उत्तर प्रदेश में ईद पर 2933 संवेदनशील स्थानों पर रहेगा सख्त पहरा

- 249 कंपनी पीएसी व पांच कंपनी सीएपीएफ मुस्तैद

लखनऊ (एजेंसी)। अलविदा की नमाज व ईद को सकुशल संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। विशेषकर चिन्हित संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल के साथ पीएसी व केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवान भी तैनात रहेंगे। प्रयागराज में पुलिस अभिरक्षा में माफिया अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद शरारती तत्वों द्वारा गड़बड़ी की आशंका को देखते हुए हर स्तर पर सतर्कता बरते जाने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। स्पेशल डीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि कुल 29,439 मस्जिदों के अलावा 3,865 ईदगाहों में अलविदा व ईद की नमाज होगी। पुलिस ने 2,933 संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर उन्हें 849 जोन व 2,460 सेक्टरों में बांटा गया है। जहां अतिरिक्त पुलिस की तैनाती के साथ ही ड्रोन व सीसीटीवी कैमरों की मदद से निगरानी के विशेष प्रबंध होंगे। इसके साथ ही साफ-सफाई व निर्बाध बिजली आपूर्ति को लेकर कड़े निर्देश दिए गए हैं। सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पेट्रोलिंग व शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

डीजीपी मुख्यालय स्तर से 249 कंपनी पीएसी, तीन कंपनी एसडीआरएफ (राज्य आपदा मोचन बल), पांच कंपनी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के अलावा 7000 प्रशिक्षु उप निरीक्षकों को मुस्तैद किया गया है। यूपी 112 की 4,800 पीआरवी के माध्यम से सघन पेट्रोलिंग कराई जा रही है। स्पेशल डीजी का कहना है कि किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रदेश में पुलिस की 1,785 क्रिक रिस्पांस टीमें दंगा नियंत्रण उपकरणों, बाडी प्रोटेक्टर, टियर गैस गन, दमकल वाहनों, वज्र वाहनों व अन्य दंगा रोधी उपकरणों के साथ मुस्तैद की गई हैं। इंटरनेट मीडिया की निगरानी बढ़ाए जाने के साथ ही शांति समितियों की बैठकें भी कराई गई हैं। संभ्रांत नागरिकों के सहयोग से सभी स्थानों पर शांति-व्यवस्था बनाए रखने के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। शरारती तत्वों से पूरी सख्ती से निपटे जाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

देश भर में कोरोना संक्रमण से 28 और मरीजों की मौत, 66 हज़ार के पार पहुंचे एक्टिव मरीज

- देश में अभी तक संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 4,48,69,684 पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में एक दिन में कोविड संक्रमण के 11,692 नए मामले सामने आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 4,48,69,684 हो गई। वहीं देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 66,170 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार संक्रमण से 28 और मरीजों की मौत के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 5,31,258 हो गई। इनमें 9 वे लोग शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनर्मिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से दम तोड़ने वाले मरीजों की सूची में जोड़े हैं। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक देश में अभी 66,170 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.15 प्रतिशत है। भारत में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.67 प्रतिशत है।

देश में अभी तक कुल 4,42,72,256 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 2,20,66,31,979 खुराक लगाई जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। चार मई 2021 को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। पिछले साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार चले गए थे।

अपील भी तुम, दलील भी तुम, गवाह भी तुम, वकील भी तुमः ओवैसी

- नरोदा पाटिया नरसंहार मामले में सभी को बरी किए जाने पर ओवैसी ने किया ट्वीट

अहमदाबाद (एजेंसी)। (ईएमएस) नरोदा पाटिया नरसंहार मामले में गुरुवार को स्पेशल कोर्ट ने सभी 67 अभियुक्तों को बरी कर दिया। कोर्ट के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कवि राहत इंदौरी की एक कविता की मदद से गुजरात की सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा है कि अपील भी तुम, दलील भी तुम, गवाह भी तुम, वकील भी तुम। अहमदाबाद की एक विशेष अदालत द्वारा बरी किए जाने की घोषणा के घंटों बाद ओवैसी ने गुरुवार रात ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, जिधर से गुजरो धुआं बिच्छा दो, जहां भी पाहुंचो धमाल कर दो। तुम्हें सियासत ने हक दिया है, हरी जमीन को लाल कर दो। अपील भी तुम, दलील भी तुम, गवाह भी तुम, वकील भी तुम। जिसे भी चाहो हराम कह दो, जिसे भी चाहो हलाल कर दो। गौरतलब है कि अदालत द्वारा बरी किए गए लोगों में भाजपा की पूर्व विधायक माया कोडनानी और बजरंग दल के पूर्व नेता बाबू बजरंगी भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 18 अन्य अभियुक्तों की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो गई। एक व्यक्ति को गलत पहचान के कारण 2009 में रिहा कर दिया गया था।

साबरमती एक्सप्रेस में आग लगा दी गई थी। इसमें सवार 58 कारसेवक गोधरा में जलकर मारे गए थे। इसके बाद अहमदाबाद के नरोदा गाम में भीड़ द्वारा ग्यारह मुसलमानों को मार डाला गया था। 2008 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 86 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। विशेष न्यायाधीश शुबदा बक्शी ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए सभी अभियुक्तों को बरी कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शहर के भादरा सिविल और सत्र न्यायालय परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी। बरी हुए लोगों के रिश्तेदारों ने जय श्री राम और भारत माता की जय के नारों के साथ फैसले का स्वागत किया। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने इसे काला दिन बताया।

हर किसी को प्यार करने का अधिकार है, चाहे वह पुरुष हो या महिला: अभिषेक बनर्जी

-समलैंगिक विवाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट में छिड़ी बहस

कोलकाता (एजेंसी)। समलैंगिक विवाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जारी बहस के बीच तृणमूल कांग्रेस के नेता और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को सेम सेक्स मैरिज के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हर किसी को अपना जीवन साथी चुनने का अधिकार है। प्यार में कोई धर्म, जाति या पंथ नहीं होता। हर किसी को प्यार करने का अधिकार है। उन्होंने इस मुद्दे पर देरी करने के लिए केंद्र की भी आलोचना की और कहा कि केंद्र जान-बूझकर मामले में देरी कर रहा है, वे इस मामले में गंभीर नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभिषेक बनर्जी ने कहा कि यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा, लेकिन अगर मैं एक पुरुष हूं और मैं एक पुरुष से प्यार करता हूं या फिर मैं एक महिला हूं और मैं एक महिला से प्यार करता हू तो इसमें गलत क्या है, हर किसी को प्यार में पड़ने का अधिकार है। हर किसी को अपना जीवनसाथी चुनने का अधिकार है, चाहे वह पुरुष हो या महिला। मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट लोकाचार के पक्ष में फैसला सुनाएगा। केंद्र द्वारा एक हलफनामा दाखिल करने पर एक सवाल का जवाब देते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा कि केंद्र इस मामले में टाल-मटोल करने की कोशिश कर रही है। इस मामले में मुझे भी लोगों की नब्ज जाननी पड़ेगी और मुझे पहले अदालत का फैसला देखना होगा। अदालत जो भी फैसला देगी, हम उसे जानेंगे और उसके बाद ही हम आपको बताएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को समान सेक्स विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई में कहा कि शहरों में अपनी सेक्सुअल आईडेंटिटी बताने वाले ज्यादा लोग सामने आते हैं, पर इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि सरकार के पास कोई ऐसा डाटा हो कि सेम सेक्स मैरिज की मांग सिर्फ शहरी वर्ग तक ही सीमित है। इस बेंच की अध्यक्षता कर रहे प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हम समलैंगिक संबंधों को एक बार का रिश्ता नहीं, बल्कि हमेशा के लिए टिके रहने वाले रिश्तों के रूप में देखते हैं, जो न सिर्फ शारीरिक बल्कि भावनात्मक रूप से मिलन भी है।

जुमे की नमाज के बाद लगे अतीक अहमद अमर रहे के नारे, योगी सरकार पर लगाया गया गंभीर आरोप

पठना (एजेंसी)। पवित्र रमजान का महीना चल रहा है। आज रमजान का आखिरी जुमे का नमाज था। इन सबके बीच से माफिया अतीक अहमद के हत्या का मामला अब गर्म होता दिखाई दे रहा है। पटना में एक मस्जिद के बाहर अतीक अहमद के समर्थन में नारे लगे हैं। नमाज के बाद अतीक अहमद अमर रहे की जमकर नारेबाजी की गई। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त तरीके से वायरल हो गया है। इतना ही नहीं, आतीक और उसके भाई अशरफ के समर्थकों ने इस बात का भी ऐलान किया कि उनकी शहादत हुई है। उनके समर्थकों ने कहा कि दोनों को योजना के तहत मारा गया है। इसके अलावा योगी सरकार पर भी बड़े आरोप लगाए गए हैं।

एक रोजेदार ने कहा कि हमने अल्लाह से दुआ किया है कि अतीक अहमद की शहादत को कबूल फरमा। इस दौरान अतीक के समर्थक अशरफ और असद का भी नाम ले रहे हैं। अतीक के एक समर्थक ने कहा कि योगी सरकार ने प्लान वे में उनको मरवाया है। उसने बताया कि सरकार और पुलिस का हाथ उसको मनवाने में है। वह लगातार अतीक अहमद को शहिद बता रहा है। आपको बता दें कि गत 15 अप्रैल को माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस हिरासत में उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब पुलिस उन्हें चिकित्सा परीक्षण के लिए काल्विन अस्पताल में लेकर दाखिल हुई। हमलावरों को उसी समय गिरफ्तार कर लिया गया था।

महाराष्ट्र में बीड जिले में माफिया और पूर्व सांसद अतीक अहमद तथा उसके पूर्व विधायक भाई अशरफ अहमद को बैनर लगाकर 'शहीद' बताने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि यह घटना मंगलवार को जिले के माजलगांव में हुई, जिसके बाद कई स्थानीय लोग बैनर के पास जमा हो गए। अधिकारियों ने तुरंत इस बैनर को हटाया। पुलिस ने कहा कि अतीक और उसके भाई को बैनर लगाकर शहीद के रूप में चित्रित करने की कोशिश की गई थी। इसमें एक अखबार की कटिंग भी थी जिसमें पिछले हफ्ते दोनों भाइयों की हत्या के लिए एक समुदाय विशेष को अपशब्द कहे गए थे।

ब्रिटेन की गृह सचिव ब्रेवरमैन के बयान से नाराज पाकिस्तानी डॉक्टरों का समूह

लंदन । ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी से जुड़े पाकिस्तानी डॉक्टरों के एक समूह ने दावा किया है कि ब्रिटेन की गृह सचिव और सांसद सुएला ब्रेवरमैन की ओर से पाकिस्तानी पुरुषों को सेक्स ग्रूमिंग गैंग से जोड़ने के बारे में कट्टर और नस्लवादी टिप्पणी करने के बाद उन्होंने 200 से अधिक सदस्यों को खो दिया है। ब्रेवरमैन ने बयान दिया था कि, ब्रिटिश पाकिस्तानी पुरुष महिलाओं को नीच और नाजायज के तौर पर देखते हैं, और हमारे व्यवहार के प्रति पुराना तथा जघन्य दृष्टिकोण रखते हैं। वरिष्ठ कंजर्वेटिवव नेताओं ने उन पर दक्षिणपंथी वर्गों का समर्थन हासिल करने के लिए नस्लवादी और इस्लामोफोबिक झूठ बोलने का आरोप लगाया। कंजर्वेटिव फ्रेंड्स ऑफ नेशनल हेल्थ सर्वि के अध्यक्ष और संस्थापक अशरफ चौहान ने ब्रेवरमैन को लिखे पत्र में कहा कि उनके संगठन ने 200 से अधिक सदस्यों को खो दिया है जो सभी डॉक्टर हैं। चौहान ने गृह सचिव से कहा है कि उन्हें डर है कि और डॉक्टर समूह छोड़ देने वाले हैं, क्योंकि वह अब खुद को उस पार्टी से नहीं जोड़ना चाहते हैं जिसकी सचिव इस तरह के नस्लवादी विचार रखती हैं। एनएचएस के कंजर्वेटिव फ्रेंड्स कई वर्षों से टोरी पार्टी के लिए धन जुटा रहे हैं और समर्थन जुटा रहे हैं। गृह सचिव के रूप में आपके एक बयान के बाद से, मैंने 200 सदस्यों को खो दिया है, जो सभी डॉक्टर हैं।

रूसी बॉम्बर फाइटर जेट ने गलती से अपने ही शहर में गिरा दिए बम

मास्को । रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी, 2022 से युद्ध जारी है। युद्ध के बीच खबर आ रही है कि रूसी बॉम्बर फाइटर जेट ने गलती से अपने ही शहर पर बम गिरा दिए हैं। बमबारी में दो महिलाएं घायल हो गई हैं और कई इमारतें ध्वस्त हो गई हैं। कई कारों को भी क्षति पहुंची है। फाइटर जेट यूक्रेन पर हमले के लिए जा रहा था, जब गलती से पायलट ने बम इजेक्ट कर दिया। बम रूस के बेलगोरोद शहर में जाकर गिरा। जिस जगह पर बम गिरा वहां शहर के बीचों बीच एक 20 मीटर का गड्ढा बन गया है। ये जानकारी रूसी रक्षा मंत्रालय के हवाले से दी गई है। इस धमाके के बाद हुए नुकसान की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर देखने को मिल रही हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बेलगोरोद में एक बड़े विस्फोट की सूचना दी, जिसमें कहा गया कि विस्फोट से शहर के केंद्र में एक गड्ढा हो गया और दो महिलाएं घायल हो गईं। बेलगोरोद के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने कहा कि विस्फोट से शहर के लोग सहम गए। इस धमाके में 4 अपार्टमेंट और 4 कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। बिजली लाइन के खंभे गिर गए। ग्लैडकोव ने कहा कि एक विस्फोट हुआ। जांचकर्ता और आपात मंत्रालय के प्रतिनिधि घटनास्थल पर मौजूद हैं। एक तस्वीर में अपार्टमेंट की इमारत के बाहर गंभीर मुद्रा में स्थानीय लोगों को मंडराते हुए देखा जा सकता है। इसमें एक महिला एक छोटे कुत्ते को पकड़े हुए है और पास में एक दमकल की गाड़ी है। अन्य फोटो में विस्फोट से अपार्टमेंट के अंदरूनी भाग को हुए नुकसान को दिखाया गया है।

टोरंटो पियर्सन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से सोना और कीमती जरुरी सामान चोरी

टोरंटो । कनाडा के टोरंटो पियर्सन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर एक विमान से उतारे जाने के बाद सोना और सामान चोरी हो गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में बताया कि चोरी सोमवार को हुई जब एक विमान से उतारे जाने के बाद एक होल्डिंग कार्गो सुविधा से 20 मिलियन कनाडाई डॉलर (16 मिलियन डॉलर) मूल्य का एक उच्च मूल्य का कंटेनर चोरी हो गया। होल्डिंग सुविधा में सुरक्षित होने के बाद, कार्गो को अवैध तरीकों से हटा दिया गया था। पुलिस ने कहा कि यह जानना जल्दबाजी होगी कि क्या चोरी पेशेवर रूप से की गई। पुलिस ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि सोना कहां है या यह अभी भी देश में है और उनका मानना है कि यह एक अलग घटना है। कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, और पुलिस ने संदिग्धों की कोई जानकारी जारी नहीं की है। ग्रेटर टोरंटो एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ने पुष्टि की है कि चोरों ने एक गोदाम के सार्वजनिक हिस्से में प्रवेश किया जो हवाईअड्डे की प्राथमिक सुरक्षा लाइन के बाहर एक थर्ड पार्टी को पट्टे पर दिया गया है और यह कि इसमें स्वयं हवाईअड्डे तक पहुंच शामिल नहीं थी और यात्रियों या कर्मचारियों के लिए कोई खतरा नहीं था।

पाक में अवैध रूप से भारतीय चैनलों को प्रसारित करने वाले केबल ऑपरेटरों पर एक्शन

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक ने अवैध रूप से भारतीय चैनलों को प्रसारित करने वाले केबल टीवी ऑपरेटरों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी (पेमरा) ने भी केबल टीवी ऑपरेटरों को चेतावनी दी है कि वे प्राधिकरण द्वारा अवैध घोषित या प्रतिबंधित भारतीय सामग्री का प्रसारण तुरंत बंद करें। प्राधिकरण ने कहा कि केबल टीवी नेटवर्क पर वितरण के लिए पेमरा लाइसेंसधारी के अलावा किसी अन्य चैनल को अनुमति नहीं दी जाएगी, प्राधिकरण के कानूनों के अनुसार किसी भी उल्लंघन से निपटा जाएगा। पेमरा ने कहा कि उसके क्षेत्रीय कार्यालयों ने अवैध भारतीय चैनलों को प्रसारित करने वाले केबल ऑपरेटरों द्वारा उल्लंघन की खबरों पर अभियान चलाया। यह शीर्ष अदालत और पेमरा द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन है। कराची क्षेत्रीय कार्यालय ने विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया और डिजिटल केबल नेटवर्क, होम मीडिया कम्युनिकेशंस (प्राइवेट) लिमिटेड, शाहजेब केबल नेटवर्क और स्काई केबल विजन जैसे केबल ऑपरेटरों पर छापा मारा। हैदराबाद कार्यालय ने 23 केबल ऑपरेटरों पर छापा मारा और आठ नेटवर्क जब्त किए जो भारतीय सामग्री प्रसारित कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक मुल्तान कार्यालय ने बहावलनगर शहर और केबल ऑपरेटरों, अर्थात सिटी डिजिटल केबल नेटवर्क, स्टेट केबल नेटवर्क, नसीब और जमील केबल नेटवर्क, वर्ल्ड ब्राइट केबल नेटवर्क, स्टार इंफॉर्मेशन कंपनी और ग्लोबल सिग्नल केबल नेटवर्क पर छापे मारे, जो अवैध सामग्री प्रसारित कर रहे थे। छापे के दौरान, पेमरा की टीमों ने अवैध उपकरण जब्त किए और उल्लंघन करने वालों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए।

पायलट ने अपनी एक दोस्त को कॉकपिट में बैठाया, जोखिम की सभी हदें की पार

-केबिन क्रू की एक सदस्य ने दर्ज कराई शिकायत

अबू धाबी । दुबई से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के एक पायलट ने गत 27 फरवरी को अपनी एक दोस्त को कॉकपिट में बैठाया। इस पर केबिन क्रू की एक सदस्य ने डीजीसीए के सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कैप्टन अपनी दोस्त के लिए कॉकपिट को आरामदायक बना रहा था। पायलट ने चालक दल की सदस्य से कहा कि उसकी महिला दोस्त को वही खाना परोसा जाए जो बिजनेस क्लास में परोसा जाता है। एयरलाइन के एक अधिकारी ने पुष्टि करते हुए कहा कि एयर इंडिया ने उठाए गए मुद्दों की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मामले की शिकायत में कहा गया है कि एआई-915 पर समस्याएं बोर्डिंग से पहले ही शुरू हो गई थीं। केबिन क्रू ने अपने रिपोर्टिंग टाइम से ज्यादा समय तक पायलटों का इंतजार किया और फिर उनसे मिले बिना ही विमान की ओर बढ़ गए। शिकायत में कहा गया है कि महिला ने कॉकपिट में एक घंटे से अधिक समय बिताया। जब वह अंदर थी तो उसे खाना और स्नैक्स देने के लिए चालक दल को कई बार बुलाया गया। शिकायतकर्ता ने यह भी कहा कि दोनों पायलट महिला यात्री के साथ इमिग्रेशन एरिया तक गए। रिपोर्ट के अनुसार डीजीसीए के एक अधिकारी ने कहा कि रेगुलेटर इस मामले में शामिल तकनीकी और सुरक्षा पहलुओं को ध्यान से देख रहा है।

नासा ने स्पेस में उगाए टमाटर, आज धरती पर लेकर आएंगे

फ्लोरिडा। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा ने स्पेस में स्थित लैब में टमाटर उगाए हैं। नासा ने बताया है कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन- आईएसएस में अंतरिक्ष में उगाए गए टमाटर आज 15 अप्रैल को स्पेसएक्स के एक कार्गो रीसप्लाई स्पेसक्राफ्ट सीआरएस-27 के जरिये धरती पर लौट आएंगे। ये अंतरिक्ष यान लगभग 2,000 किलोग्राम सप्लाई और वैज्ञानिक प्रयोगों को लाएगा। सीआरएस-7 आईएसएस से 10:45एएम ईएसटी (भारतीय समयानुसार रात 8:15 बजे) पर रवाना होगा। नासा ने कहा कि इसकी लाइव कवरेज भी देखी जा सकती है। नासा ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि अंतरिक्ष यात्रियों ने आईएसएस की धरती की परिक्रमा कर रही प्रयोगशाला के एक बहुत छोटे ग्रीनहाउस में बौने टमाटरों की इस किस्म को उगाया।

टेक्सास से स्पेस एक्स अगली पीढ़ी का स्टारशिप एयरक्राफ्ट छोड़ा गया।

कोरोना के नए वैरिएंट आर्कटुरस से थाईलैंड में एक बुजुर्ग की पहली मौत

-22 देशों में बढ़ा खतरा, पुराने वैरिएंट से ज्यादा खतरनाक आर्कटुरस

बैंकॉक। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट आर्कटुरस से पहली मौत दर्ज की गई है। दुनियाभर में इस वैरिएंट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। थाईलैंड में एक बुजुर्ग मरीज ने कोरोना संक्रमित होने के बाद दम तोड़ दिया। स्वास्थ्य मंत्रालय में मेडिकल साइंसेज डिपार्टमेंट के डायरेक्टर जनरल डॉ. सुपाकित सिरिलक ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि 27 मामले सामने आ चुके हैं और जान गंवाने वाला विदेशी बुजुर्ग अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहा था। कोरोना का यह नया स्वरूप भारत, ब्रिटेन समेत अब तक 22 देशों में फैल चुका है। डॉक्टर ने बताया कि बुजुर्ग मरीज की मृत्यु सीधे तौर पर इस सब-वैरिएंट की गंभीरता को नहीं बल्कि अन्य जोखिम कारकों पर इसके प्रभाव पर दिखाती है। आर्कटुरस ओमीक्रोन का ही एक सब-वैरिएंट है, पहली बार भारत में देखा गया था। यह मार्च के अंत से विश्व स्वास्थ्य संगठन की वॉचलिस्ट में शामिल है। विशेषज्ञों का दावा है कि जल्द ही कोरोना का यह स्वरूप थाईलैंड का प्रमुख सब-वैरिएंट बन जाएगा। 9 से 15 अप्रैल के बीच थाईलैंड में पिछले हफ्ते की तुलना में वायरस से अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या ढाई गुना अधिक थी। भारत में भी कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कई जगहों पर मास्क को अनिवार्य कर दिया गया है। अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने कहा कि आर्कटुरस देश में 7 प्रतिशत कोरोना वायरस मामलों का कारण बन रहा है। मतलब यह ओमीक्रोन के बाद दूसरे नंबर पर है। इंडोनेशिया में आर्कटुरस सब-वैरिएंट के पांच नए मामले दर्ज किए गए हैं।

अफगानिस्तान पर आयोजित की जाने वाली बैठक को सकारात्मक रूप से देख रहा भारत: एस जयशंकर

जिनेवा (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि भारत अगले महीने दोहा में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस की मेजबानी में अफगानिस्तान पर आयोजित की जाने वाली विशेष दूतों की बैठक को सकारात्मक रूप से देख रहा है। गुटारेस दोहा में एक और दो मई को इस बैठक की मेजबानी करेंगे। बैठक में भारत के हिस्सा लेने के सवाल पर जयशंकर ने कहा कि हम इसे देख रहे हैं। हम इसे सकारात्मक रूप से देख रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हम समय करीब आने पर उचित फैसला लेंगे, लेकिन हम इसे देख जरूर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य अफगानिस्तान की स्थिति पर टिकाऊ तरीके से आगे बढ़ने के लिए सामान्य लक्ष्यों के इर्दगिर्द अंतरराष्ट्रीय

प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत करना है। जयशंकर ने कहा कि वास्तव में हमारा पूरा ध्यान इस बात पर केंद्रित है कि कूटनीतिक प्रक्रियाओं के माध्यम से जमीनी स्तर पर एक व्यावहारिक युद्ध-विराम कैसे लागू कराया जाए। विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव से भारत की जी-20 अध्यक्षता और यूक्रेन युद्ध सहित कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की। जयशंकर शुक्रवार को गुयाना, पनामा, कोलंबिया और डॉमिनिक गणराज्य की नौ दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे।

विदेश मंत्री के रूप में इन लातिन अमेरिकी देशों और कैरिबियाई क्षेत्र की जयशंकर की पहली यात्रा होगी। लातिन अमेरिका की अपनी यात्रा शुरू करने से पहले जयशंकर न्यूयॉर्क पहुंचे और बृहस्पतिवार दोपहर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में गुटारेस से मुलाकात की। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के साथ हुई मुलाकात को बेहद शानदार बताते हुए जयशंकर ने कहा कि सूडान में लड़ाई शुरू होने के बाद मुझे महसूस हुआ कि मेरा संयुक्त राष्ट्र महासचिव से मिलना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी मुलाकात मुख्यत: सूडान के हालात पर केंद्रित थी। हालांकि, हमने जी-20 और यूक्रेन युद्ध पर भी कुछ देर चर्चा की। विदेश मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सूडान युद्ध-विराम लागू कराने के प्रयासों के केंद्र में है। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस समय जब तक युद्ध-विराम नहीं लागू होता है और जब तक निकासी गलियारे नहीं स्थापित किए जाते हैं, तब तक लोगों को बाहर निकालना वाकई सुरक्षित नहीं है।

चीन ने ताइवान पर उसका विरोध करने वालों को आगाह किया

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के विदेश मंत्री छिन कांग ने शुक्रवार को ताइवान को धमकी देते हुए कहा कि इस स्वशासित द्वीप पर नियंत्रण की बीजिंग की मांग के खिलाफ जाने वाले लोग ''आग से खेल रहे हैं।'' छिन कांग ने शुक्रवार को एक भाषण के अंत में ये टिप्पणियां कीं जिसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा विकासशील देशों के हितों में चीन के योगदान की वकालत की गयी। इसमें उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव शी चिनफिंग की वैश्विक सुरक्षा पहल की बार-बार तारीफ की। छिन कांग ने अपने भाषण में चीनी राजनयिकों के मुकाबले अधिक सख्त शब्दों का इस्तेमाल करते हुए ''ताइवान समस्या'' का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना निंदनीय है।'' उन्होंने कहा, ''ताइवान समस्या चीन के अहम हितों का केंद्र है। हम चीन की संप्रभुता तथा सुरक्षा को कमतर करने वाले किसी भी कृत्य का जवाब देने में कभी पीछे नहीं हटेंगे। ताइवान के मुद्दे पर आग से खेलने वाले लोग खुद को ही जला लेंगे।'' ऐसी टिप्पणियां आम तौर पर द्वीप की लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित सरकार तथा उसके सबसे अहम सहयोगी देश अमेरिका के संदर्भ में की जाती हैं। चीन, ताइवान को अपना हिस्सा बताता है तथा जरूरत पड़ने पर बल प्रयोग से इसे कब्जे में लेने की धमकी देता है।

इमरान के इंस्टाग्राम प्रमुख का लाहौर में अपहरण

लाहौर। पाकिस्तान में अधिकारियों ने अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं के खिलाफ संघीय सरकार की कार्रवाई के तहत बृहस्पतिवार को यहां पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के इंस्टाग्राम प्रमुख को कथित तौर पर अगवा कर लिया। संघीय जांच एजेंसी ने खुफिया एजेंसियों और पुलिस के साथ मिलकर सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं, खासकर इमरान खान की पार्टी पीटीआई के कार्यकर्ताओं, के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। यह अभियान पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के खिलाफ कथित ऑनलाइन अभियान के बाद शुरू किया गया है। पीटीआई के इंस्टाग्राम प्रमुख अताउर रहमान को बृहस्पतिवार तड़के लाहौर से उठा लिया गया। खान ने बृहस्पतिवार को ट्विटर पर दावा किया कि उनकी पार्टी के इंस्टाग्राम प्रमुख अताउर रहमान को सुबह लाहौर से उठा लिया गया है।''

सूडान की सेना ने प्रतिद्वंद्वी अर्द्धसैनिक बल से नहीं करेगी बातचीत

-सूडानी सेना ने कहा- आत्मसमर्पण की शर्त पर होगी बात

खार्तूम (एजेंसी) सूडान की सेना ने एक प्रतिद्वंद्वी अर्द्धसैनिक बल के साथ बातचीत की संभावना को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि वह केवल इस समूह के आत्मसमर्पण को ही स्वीकार करेगी। दोनों पक्षों के बीच मध्य खार्तूम और देश के अन्य हिस्सों में संघर्ष जारी है और संघर्ष-विराम की ताजा कोशिश नाकाम होती दिख रही है। सेना के बयान से करीब एक सप्ताह से चल रही हिंसा में नये सिरे से बढ़ोतरी की आशंका पैदा हो गयी। देश का चिकित्सा ढांचा पतन के कगार पर है और अनेक अस्पताल बंद होने को मजबूर हो गये तो अनेक में संसाधन नहीं हैं।

बुधवार शाम को घोषित 24 घंटे का संघर्ष-विराम राजधानी खार्तूम के कुछ हिस्सों में मामूली शांति ही ला सका है, लेकिन मौके का अधिकतर लोगों ने घर छोड़कर जाने के लिए फायदा उठाया, जहां वे कई दिन से फंसे हुए थे। डॉक्टर्स सिंडीकेट की सचिव आतिया अब्दुल्ल आतिया ने मीडिया से कहा कि बड़ी संख्या में लोग सुरक्षित स्थानों की तलाश में जा रहे हैं, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। संघर्ष-विराम समाप्त होने से कुछ घंटे पहले सेना ने एक बयान में कहा कि वह प्रतिद्वंद्वी बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेस के साथ बातचीत नहीं करेगी और केवल उसके आत्मसमर्पण की शर्तों पर बात करेगी।

सऊदी प्रिंस सलमान ने नवाज शरीफ से मिलने से किया इंकार, शहबाज को आने से रोका

-शहबाज व उनके भाई नवाज नहीं पहुंच पाएंगे उमरा करने सऊदी

रियाद(एजेंसी)। कंगाल पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच रिश्ते ठीक नहीं लग रहे हैं। सऊदी अरब ने रमजान के महीने में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को उमरा करने के लिए प्रस्तावित यात्रा को कथित रूप से रद्द कर दिया। यही नहीं, शहबाज शरीफ के भाई नवाज शरीफ से सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने मिलने से भी इंकार कर दिया। इससे पहले शहबाज शरीफ और उनके भाई नवाज

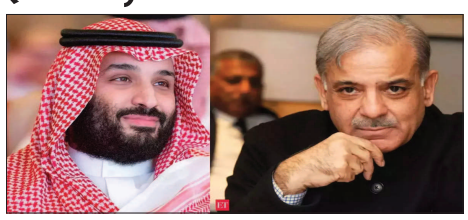

शरीफ दोनों उमरा करने के लिए सऊदी अरब पहुंचने वाले थे।

नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरियम ने तो उमरा किया, लेकिन शहबाज शरीफ की यात्रा सऊदी अरब की ओर से रद्द कर दी गई। सऊदी अरब ने भले ही पाकिस्तान को लोन देने का वादा किया है, लेकिन उसने अपनी शर्तों को बहुत कड़ा कर दिया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक अब सऊदी अरब के प्रिंस पाकिस्तान के सत्तारूढ़ दल के नेता से मिलते थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब ने शहबाज शरीफ की यात्रा को पाकिस्तान में चल रहे राजनीतिक संकट को देखते हुए रद्द किया है।

सऊदी अरब के किंग सलमान और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के न्योते पर शहबाज शरीफ सऊदी अरब पहुंचे थे। अब शहबाज शरीफ मई महीने में ब्रिटेन जाएंगे और किंग चार्ल्स तृतीय के राजतिलक समारोह में हिस्सा लेंगे। बताया जा रहा है कि इस यात्रा के दौरान शहबाज शरीफ अपने बड़े भाई नवाज के साथ कंगाली के बीच चुनाव कराने पर चर्चा करेंगे। इससे पहले पाकिस्तानी आर्मी चीफ के कहने पर सऊदी अरब ने पाकिस्तान को लोन देने पर हामी भर दी थी। खुद शहबाज ने इसे स्वीकार किया था।

पाकिस्तान व भारत का डीएनए एक, एक झगड़े में लगा, एक कर रहा तरक्की: साजिद तरार

-भारत में एप्पल स्टोर खुलने पर पाकिस्तानी एक्सपर्ट ने दिखाया आईना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। एप्पल के सीईओ टिम कुक भारत आए और यहां पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। एप्पल ने भारत में दो स्टोर्स खोले हैं। पहला स्टोर मुंबई में खुला तो दूसरा स्टोर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में खुला है। ये दोनों ही स्टोर भारत की एक नई तस्?वीर पेश करते हैं। इन स्टोर्स के खुलने के बाद हर कोई आने वाले निवेश पर भी चर्चा कर रहा है। इस पूरे घटनाक्रम पर पाकिस्तान में भी हलचल देखी गई। आर्थिक तंगी में घिरे मुल्क और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के इंतजार में बैठी यहां की सरकार अब फिर से आलोचना के घेरे में है। अमेरिका में मौजूद पाकिस्तान के बिजनेसमैन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी साजिद तरार ने इस पर कड़े शब्दों में अपनी बात रखी है। तरार ने कहा है कि पाकिस्तान की खैरात मांगने की आदत ही नहीं जा रही है। एक यू-ट्यूब इंटरव्यू में साजिद ने कहा कि पाकिस्तान और भारत का डीएनए एक सा है और बड़ी तकलीफ होती है देखकर कि दक्षिण एशिया का एक देश तरक्की कर रहा है और एक झगड़ों में ही लगा है।

एप्पल के सीईओ टिम कुक ने पीएम मोदी, अदानी प अंबानी से की भेंट

एप्पल के सीईओ टिम कुक ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ही मुलाकात नहीं की है, बल्कि वह भारतीय बिजनेसमैन अदानी और अंबानी से भी मिले हैं। उन्होंने दो स्टोर खोले हैं और बाद में पता लगा कि पीएम मोदी ने कुछ शर्तें रखी थीं टिम कुक के सामने। उन्होंने यह साफ कर दिया था कि सारी चीजें मेड इन इंडिया होंगी और सब कुछ यहीं पर बनेगा। कुक ने ये शर्तें भी मान लीं।

पाकिस्तान तो सन् 1947 से इस्लाम के नाम पर मांग रहा है भीख: साजिद

साजिद तरार ने बड़ी बेबाकी से कहा कि भारत में लोग एप्पल स्टोर खुलने पर खुश थे, लेकिन पाकिस्तान की सबसे बड़ी खबर थी कि पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि यूएई से खैरात में जो पैसा मिला है उसमें आर्मी ने बड़ी मदद की है। भारत तरक्की पर है और तरक्की कर रहा है। मगर पाकिस्तान खैरात पर पल रहा है और यह 76 साल से ऐसा ही है। यह पहली बार ऐसा नहीं है। पाकिस्तान तो सन् 1947 से इस्लाम के नाम पर भीख मांग रहा है। साजिद तरार ने कहा कि पाकिस्तान में भी बुद्धिजीवियों

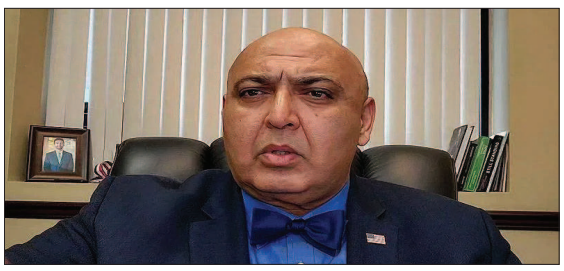

की कमी नहीं है, लेकिन उनका दिमाग मनी लॉन्ड्रिंग जैसे मसलों में चलता है। पाकिस्तानियों ने दुबई और लंदन में तरक्की की है। अपने मुल्क को बेचकर दूसरे देशों में तरक्की कर रहे हैं। साजिद ने कहा कि भारत और पाकिस्तान में कोई बराबरी नहीं है। साजिद के मुताबिक भारत एशियन टाइगर है और पाकिस्तान कहीं नहीं है। भारत में शिक्षा और कानून व्यवस्था का जो स्तर है, पाकिस्तान में वैसा कभी हो ही नहीं सकता है। साजिद तरार ने कहा कि पाकिस्तान में ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से पढ़े लोग भी देश नहीं चला पा रहे हैं और भारत में चायवाला तरक्की का पाठ पढ़ा रहा है। उनका कहना था कि इस मुल्क में तो ऑक्सफोर्ड से पढ़े लोग जेहाद का पाठ पढ़ा रहे हैं।

संपादकीय

साँसें हैं सीमित ही

हमारे जीवन की सीमित साँसो को कैसे , कब , कहाँ , किस तरह आदि जीना हमारे ऊपर निर्भर करता हैं । इंसान की उत्पत्ति ही अपने आप में एक सबसे बड़ा अजुबा है।भगवान ने इंसान की बड़ी अद्भुत रचना बनायी है।शरीर एक पर उसके हर अंग का क़ार्य अलग अलग। दिमाग़ इंसान का दिमाग़ इतना शक्तिसाली होता है जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते।आज जो क़ार्य कम्प्यूटर कर रहा है उसकी देन भी एक इंसान ही है।और ना जाने कितने-कितने अविश्वसनीय अविष्कार भी इंसान की ही देन है।

आँखें जिससे हम संसार को देखने का अनुभव कर सकते हैं।अगर आँखों की रौशनी नहीं तो दिन रात अंधेरा ही नज़र आयेगा।

नाक से हम साँस लेते हैं और गंध को भी महसूस कर सकते हैं।साँसें आती है तो हम ज़िंदा हैं।वंहि जैसे ही इंसान की साँसें आनी बंद हुयी उधर उसकी मृत्यु।कान कानो से हम बाहर की ध्वनि और एक दूसरे की बात सुन सकते हैं। जीब जीब से हम स्वाद का अनुभव कर सकते हैं और ठंडे-गर्म का भी। मेरा यही मत है कि एक इंसान की रचना और इंसान का हर हिस्सा ही अपने आप में एक आश्चर्य है क्योंकि उसकी साँसे सीमित हैं । कुछ रचनात्मकता जगाएँ , कुछ सकारात्मकता जगाएँ ताकि हमारा जीवन सफल हो जाए। हमारे चेतन में ये भाव सदा जागृत रहें।कभी भी हो सकती हैं हमारे जीवन की इतिश्री । हम बिछाते रहें जीवन आँगन में पुण्य की दरी ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

मौसम-माहौल में बदलाव से उपजी विकट स्थिति

गुरबचन जगत

कभी बैसाखी का आना खुशियों का मौसम हुआ करता था, परिपूर्णता और गतिविधियों से लबरेज़। यह वर्ष 1699 में बैसाखी का दिन था जब खालसा पंथ का जन्म हुआ था। मशीनीकरण होने से पहले, कृषि कार्य निरोल रूप से मानवीय श्रम आधारित थे- बुवाई, कटाई, बालियों से दाने अलहदा करना, निकले दाने संभालना। फिर किसान उत्पाद लेकर मंडी जाते और मंडियां आढ़तियों, विक्रेता-खरीदार की गतिविधियों से गुलजार हो उठती। पैसा हाथ बदलता और किसान एवं व्यापारी अपने-अपने घर को खनकती जेबें और बच्चों के लिए उपहार लेकर जाते। यह समय होता भांगड़ा डालने और अन्य आमोद-प्रमोद गतिविधियों का, बशर्ते मौसम और भगवान मित्रवत ् हों। हालांकि हर गुजरता साल हमारे कृषि क्षेत्र की नाजुकता दर्शाने लगा है, जिसको आज की तारीख में बदलते मौसम से और अधिक खतरा होने लगा है। उत्तर भारत में इस साल रबी का मौसम अजीब रहा, पहले 2022-23 में अधिकांश समय सूखा रहा तो मार्च में बहुत अधिक बारिश देखी। एक तो सूखे ने फसलों की वृद्धि को लगाम लगा दी, फिर बारिश और तेज-हवा-ओलावृष्टि ने जमीन पर बिछा डाला, जिससे अन्न की गुणवत्ता और मात्रा खराब हुई है। हालांकि खेती का अब काफी हद तक मशीनीकरण हो चुका है लेकिन कम्बाइन मशीनें, जिन पर किसान कटाई के लिए काफी निर्भर हैं, वह बिछी फसल में कारगर नहीं रह पातीं, तब कटाई हाथों से करनी पड़ती है। लेकिन इससे कटाई मजदूरों की कमी बन जाती है और मेहनताना अचानक बहुत बढ़ जाता है। कुल मिलाकर यह साल किसान के लिए हारा हुआ खेल है, मंडियों में बारिश से खराब हुए दाने की खरीद आसानी से नहीं हो पाएगी। मुझे पक्का यकीन है, सदा की भांति, चांद-सितारों का वादा करते राजनीतिक नेतृत्व ने अपना कहा पूरा नहीं कर दिखाया होगा। वर्ना अब तक तो किसानों, मंडियों और खरीदार एजेंसियों तक व्यवस्थित इंतजाम बनाने और ठोस धरातल पर परिणाम प्राप्त करने हेतु निगरानी के लिए विधायक, मंत्री और नौकरशाह अंदरूनी ग्रामीण अंचल पहुंच चुके होते। सतह के ऊपर, यह काम न्यूनतम प्रतिक्रियात्मक प्रक्रिया वाला हो सकता था लेकिन काफी देर बाद में नींद खुलने पर क्रियान्वयन करने और खेती के लिए एक अधिक सोच-विचार युक्त रवैया रखने के बारे में क्या कहें? मौसम में बदलाव अब एक हकीकत है, यह भूमिगत जल की सतह बहुत नीचे चले जाने और मिट्टी की गुणवत्ता का ह्रास जितना यथार्थ है। यहां अपने स्वास्थ्य की बात क्या करें, गेहूं-चावल का अनवरत फसली चक्र, जिसके उत्पादन में रासायनिक खादों और कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग होता है, वह हमारे लिए कितना लाभप्रद होगा? आज न केवल हाथ से होने वाली बिजाई बीते दिनों की बात हो चुकी है बल्कि परम्परागत फसलें जैसे कि चारा, मोटा अनाज, मूंगफली और दालों के पुश्तैनी बीज भी हम गंवा चुके हैं। पुराने वक्त का फसल-चक्र हरित क्रांति और देश की खाद्यान्न निर्भरता बनाने की भेंट चढ़ गया। आज किसानी को टिकाऊ बनाने के लिए एक नई योजना की ओर मोड़ने की जरूरत है। अफसोस कि यह योजना कभी न बन पाई और किसान को अकेले पड़कर, अपना हल जोतते रहना पड़ रहा है और हम यानी लोगों को उस विविधतापूर्ण अन्न से महरूम रहना पड़ रहा है जो हमारी धरती मां हमें देना चाहती है। हमारे मेज पर लगे खाने की गुणवत्ता चाहे-अनचाहे खेत और खेती से जुड़ी है, इसको हम अपनी खुद की और भावी नस्लों के स्वास्थ्य की कीमत पर नज़रअंदाज कर सकते हैं। बैसाखी कभी वह मौसम था जब तमाम आस्थावानों की भारी संख्या गुरुद्वारों और मंदिरों का रुख करती। यह तीर्थयात्रा सरीखे होते और हवा में संयुक्त रूप से खुशियां मनाने की खुशबू जुड़ जाती। इन पवित्र स्थानों की ओर जाती सब राहों पर जगह-जगह लंगर लगते, जहां पर स्वयंसेवक आपको रुककर लंगर ग्रहण करने की मनुहार करते। अब तो त्योहार कोई भी हो, वह पहले-सा जिज्ञासापूर्ण कौतूहल नहीं रहा, जो कभी हुआ करता था। अब तो उलटे इनकी आमद से आशंका पैदा होती है। किसी भी बड़े त्योहार आने से पहले, पुलिस-प्रशासन द्वारा चौकसी बरतने के परामर्श जारी होने लगते हैं, चेतावनियां जारी होती हैं, पुलिस बल फ्लैग मार्च करते हैं। कुछ जगहों पर, हिंसा हो जाती है,

मामले दर्ज होते हैं और कुछ शरारती तत्वों की धरपकड़ होती है। परंतु इस हिंसा के सूत्रधारों का क्या, इनके पीछे के अदृश्य हाथों का क्या? जहां तक मेरी याद ाश्त है, आजादी के बाद, सैकड़ों की संख्या में हुए दंगों में शायद ही कभी कोई बड़े नेता को या समूह को पकड़ा गया हो। जांच आयोग बिठा दिए जाते हैं, जिनकी दी रिपोर्टें सत्ता के गलियारों में धूल फांकती हैं या फिर उन गुप्त तिजोरियों में दफन कर दी जाती हैं जहां कभी दिन की रोशनी नहीं पहुंचती। इस किस्म की जांचें सामान्यतः दंगों के कारणों को खोज निकालती हैं और भविष्य के लिए एहतियाती उपाय भी सुझाती हैं। जिन प्रसंगों में हालत दियासिलाई की एक तिल्ली यानी एक नारे से अचानक विस्फोटक बन जाते हैं, उसके पीछे अवश्य ही पहले से चले आ रहे कुछ कारण होते होंगे। वहीं दूसरी ओर सरकारें, त्योहारों से जुड़े दंगे-फसादों से निपटने में ज्यादा मशगूल लगती हैं, खासकर जुलूसों के दौरान भड़की हिंसा में, जिसमें दंगा भड़काने वाले एजेंट अराजकता को उकसाते हैं, जैसा कि पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, बिहार इत्यादि में देखा गया। पंजाब के क्षितिज पर एक नया खतरा मंडराने लगा है। एक संगठन जिसका कुछ महीने पहले तक वजूद तक नहीं था, वह समाचारों की सुर्खियां और राजनीतिक चर्चाओं के ध्यान का केंद्र बना है। इस तथाकथित आंदोलन, संगठन, इसकी सदस्यता और नेतृत्व के पीछे के मूल स्रोत को लेकर लोगों को भरोसे में लेना बाकी है। यह जानना भी जरूरी है कि आखिर इसके लिए आर्थिक मदद आ कहां से रही है? शस्त्र, यदि कोई है तो वे कहां से आए? इन सभी सवालों के जवाब फौरी तौर पर देना लाजिमी है वर्ना हर तरह की अफवाहें गर्म रहेंगी। तफ्तीश में पुलिस ने सैकड़ों युवाओं को उठाया और छोड़ा भी है तो कुछ को असम स्थित जेल भेजा गया है। उनकी पूछताछ में क्या निकला? आखिरकार, उस नेता का क्या जो पुलिस से भागा-भागा फिर रहा है और ऐसा क्यों लग रहा है कि पुलिस भी इस चूहे-बिल्ली के खेल का मजा ले रही है? वह भगोड़ा देखा हर जगह गया लेकिन पकड़ा फिर भी नहीं जा रहा। इन तमाम सवालों के जवाब देने की जरूरत है क्योंकि घटनाओं पर नज़र रखने वाले किसी आम जन के लिए जो कुछ पंजाब में हो रहा है वह कोई बड़ा आंदोलन लगता नहीं। अधिसंख्य जनता का बड़ा भाग कटाई में व्यस्त है। जो काम कम-से-कम सरकार कर सकती है, वह है, तमाम राजनीतिक दलों और धार्मिक संगठनों की बैठक बुलाना, उन्हें भरोसे में लेना और जो भी समस्या भविष्य को लेकर भांप रही है, उससे निपटने में उनके सहयोग की अपील करना। गेहूं की कटाई से लेकर सूबे के सिर मंडराते खतरे तक-खुशियों और समृद्धि का त्योहार एक विकट मामला बनकर रह गया है।

लेखक मणिपुर के पूर्व राज्यपाल हैं।

बॉक्सर निखत जरीन ने बढ़ाया देश का मान

(चर्चित खिलाड़ी/ लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

दिल्ली में कुछ दिनो पूर्व संपन्न हुई वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीतकर निखत जरीन ने भारत का मान बढ़ाया है। सुप्रसिद्ध बॉक्सर व पूर्व सांसद एम मैरीकॉम के बाद ऐसा करने वाली निखत जरीन भारत की दूसरी महिला मुक्केबाज बन गयी है। निखत के साथ नीतू घंघस, स्वीटी बुरा व लवलीना बोरगोहेन ने भी उक्त प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर भारत की तरफ से जीत का चौका लगाया है। मगर निखत ने दूसरी बार गोल्ड मेडल जीतकर एक अलग ही रिकॉर्ड बना दिया है। इससे पहले निखत जरीन ने 2022 में आईबीए विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उसके बाद अब निखत ने दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। उनसे पूर्व मैरीकाम 6 बार वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुकी है। तेलंगाना के निजामाबाद में 14 जून 1996 को जन्मी निखत जरीन एक सामान्य मध्यम वर्गीय परिवार से आती है। हालांकि उनके पिता मोहम्मद जमील अहमद फुटबॉल और क्रिकेट के खिलाड़ी थे। वहीं उनकी माता परवीन सुल्तान कबड्डी की खिलाड़ी रही है। इसलिए उन्हें बचपन में ही खेल का वातावरण मिल गया था। निखत जरीन के चाचा शमशामुद्दीन बॉक्सिंग कोच होने के कारण उन्हें घर पर ही बॉक्सिंग की ट्रेनिंग मिलने लगी। उसकी दो बड़ी बहने फिजियोथैरेपिस्ट व छोटी बहन बैडमिंटन की खिलाड़ी है। इन्होने अपनी शुरुआती शिक्षा अपने गांव के सरकारी प्राथमिक विद्यालय से प्राप्त की है और आगे की शिक्षा निर्मला हृदय गर्ल्स हाई स्कूल निजामाबाद से प्राप्त की। इसके बाद उच्च शिक्षा इन्होने एवी कॉलेज हैदराबाद से प्राप्त की है। इन्होने एवी कॉलेज हैदराबाद से कला में स्नातक पास किया है। मुक्केबाजी के सफर के चलते इनको खेल व शिक्षा दोनों को संभालना थोड़ा मुश्किल था। लेकिन घर वालों और दोस्तों के साथ से इन्होने दोनों चीजें एक साथ संभाली। निखत के बॉक्सिंग करियर में कई रुकावटें भी आई। एक मुस्लिम परिवार से होने के कारण उनके रिश्तेदारों को उनके इस खेल में भाग लेना पसंद नहीं था। निखत के पिता को उनके रिश्तेदार कहा करते थे कि उन्हें निखत को कहना चाहिए की वो बॉक्सिंग के समय छोटे कपड़े न पहना करे। लेकिन निखत के पिता ने लोगों की बातो पर कोई ध्यान नहीं दिया और हमेशा अपनी बेटी का साथ दिया।

एक समय निखत जरीन पर हिजाब पहनने के लिए दवाब डाला गया था। उनसे कहा गया कि मुस्लिम लड़कियां शॉर्ट्स नहीं पहन सकती। वह मर्दों के साथ बॉक्सिंग की प्रैक्टिस भी नहीं कर सकती। लेकिन निखत इस कट्टरवादी विचारधारा से लड़ती रही। वही आज पूरी दुनिया ने उन्हें सिर आंखों पर बैठा लिया हैं। निखत के मोहल्ले के लोग उनके बॉक्सिंग खेलने के खिलाफ थे। वे लोग अक्सर उनके माता-पिता को ताने मारते थे। उनसे कहा जाता था कि आज अगर वह अपनी लड़की को बाहर खेलने के लिए भेजते हैं। तो इससे उस इलाके का माहौल खराब हो जाएगा। जिसके कारण वहाँ रहने वाली दूसरी लड़कियां भी हिजाब पहनने के इस्लामिक तौर तरीके का विरोध करने लगेंगी। जिसका साफ मतलब यह था कि उनके आसपास के समाज का सोचना था। अगर निखत की तरह उनकी बेटियों ने भी हिजाब पहनने से मना किया। वह भी बॉक्सिंग जैसे खेलों में आ गई। तो वो क्या करेंगे। इसलिए आप अपनी बेटी को रोकिए। इस पर लगाम लगाइये। इस रूढ़िवादी सोच का निखत के परिवार पर कोई असर नहीं पड़ा। इन तमाम विरोध के बावजूद उनके पिता ने निखत की हिम्मत टूटने नहीं दी। एक समय निखत के ऊपर शादी का भी दबाव बनने लगा था। लेकिन तब निखत के पिता ने कहा था। हम अपनी बेटी को ऐसा बनाएंगे। इसके लिए हमारे घर के बाहर लोगों की लाइन लगेगी। बॉक्सर मैरीकाम को अपनी प्रेरणा मानने वाली निखत जरीन का 2009 में विशाखापट्टनम स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण साईं में दाखिला करवाया गया था। जहां उन्होंने द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त कोच आईबी राव से प्रशिक्षण प्राप्त किया। उसके एक साल बाद ही 2010 में उन्हें इरोड नेशनल में गोल्डन बेस्ट बॉक्सर घोषित किया गया। निखत जरीन ने 2010 में नेशनल सब जूनियर मीट में अपने जीवन का पहला स्वर्ण पदक जीता। उसके बाद 2011 में तुर्की में आयोजित महिला जूनियर और यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में उन्हें फ्लाईवेट डिवीजन में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक मिला। 2014 में बुल्गारिया में आयोजित महिला जूनियर और युवा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में निखत ने रजत पदक जीता। 2014 में सर्बिया के नौवी सैड में आयोजित तीसरे नेशंस कप इंटरनेशनल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में 51 किलो वर्ग में रूस की पल्टसेवा एकातेरिना को हराकर निखित ने स्वर्ण पदक जीता। 2015 में निखत ने असम में 16 वीं सीनियर वूमेन नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। 2019 में निखत ने बैंगकॉक में आयोजित थाईलैंड ओपन इंटरनेशनल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में रजत पदक जीता। 2019 में बुल्गारिया की राजधानी सोफिया में आयोजित स्ट्रैंडजा मेमोरियल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में निखत जरीन ने स्वर्ण पदक जीता। 2019 में ही निखत ने जूनियर नेशनल मुकाबलों में गोल्ड जीता और बेस्ट बॉक्सर का खिताब पाया। निखत जरीन ने 2022 में इस्तानबुल तुर्की में आयोजित वूमंस वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अपने जीवन का पहला स्वर्ण पदक जीत कर इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाली देश की पांचवी बॉक्सर बनी। उससे पूर्व एम मैरीकाम, सरिता देवी, जैनी आरएल और लेखा केसी ने ही स्वर्ण पदक जीता था। उक्त प्रतियोगिता में देश के बाहर मेरी काम के बाद स्वर्ण पदक जीतने वाली निखत दूसरी महिला बॉक्सर बन गई थी। अगस्त 2022 में बर्मिंघम में आयोजित कॉमन वेल्थ गेम्स में निखत जरीन ने स्वर्ण पदक जीतकर अपने खेल जीवन का एक नया इतिहास रचा। इस बार दिल्ली में निखत में फिर महिला वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया है। एक मध्यमवर्गीय मुस्लिम परिवार से आने वाली निखत जरीन ने अपने सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए बॉक्सिंग जैसे खेल में भाग लेकर देश का नाम रोशन किया है। आने वाले समय में निखत जरीन ओलंपिक प्रतियोगिता में पदक जीतकर दुनिया में भारत का नाम रोशन करेगी। जिस तरह से 26 वर्षीय निखत जरीन अपने प्रतिद्वंदी खिलाड़ी पर मुक्को से प्रहार करती है उससे लगता है कि आने वाला समय निखत के लिए और भी अधिक उपलब्धियों भरा होगा। निखत जरीन सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय रहती है। इनके इंस्टाग्राम पर 23 लाख और फेसबुक पर 12 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स है। सरकार द्वारा निखत को निजामाबाद शहर की आधिकारिक ब्रैंड एंबेस्डर भी बनाया गया है। केंद्र सरकार ने उन्हें 2022 में अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया था।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

गुरु का महत्व - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

इस संसार में जब भी हम कोई विषय सीखना चाहते हैं, तो हम ऐसे इंसान के पास जाते हैं जो उसमें निपुण हो और हमें भी वो विषय पड़ा सकता हो। इसी प्रकार एक पूर्ण सत्गुरु अध्यात्म के विषय में निपुण होता है, और यदि हम अपना आध्यात्मिक विकास करना चाहते हैं, तो हमें सत्गुरु के पास जाना होता है। इस धरती पर हर समय कोई न कोई पूर्ण सत्गुरु अवश्य मौजूद होते हैं, जो हमें अपने अंतर में मौजूद प्रभु-सत्ता के साथ जुड़ने में मदद करते हैं। प्रत्येक युग में ऐसे संत-महापुरुष आते हैं जो हमारी आत्मा को आंतरिक यात्रा पर ले जाने में समर्थ होते हैं।

संत-मत के महापुरुषों ने हमें यही बताया है कि प्रभु की सत्ता किसी न किसी मानव शरीर के माध्यम से कार्य करती है। मनुष्य दूसरे मनुष्य से ही सीखता है। संत-महापुरुष इस दुनिया में इसलिए आते हैं ताकि हमारे स्तर पर आकर हमसे बातचीत कर सकें, आंतरिक अनुभव पाने की विधि के बारे में हमारी भाषा में हमें समझाएँ, तथा व्यक्तिगत स्तर पर हमें उसका अनुभव भी दे सकें। केवल बातें करने से या पड़ने से हम अध्यात्म नहीं सीख सकते। यह केवल व्यक्तिगत अनुभव से ही सीखा जा सकता है, और वो अनुभव हमें केवल एक पूर्ण सत्गुरु ही प्रदान कर सकता है।

नामदान के बाद सत्गुरु हर क्षण शिष्य के साथ रहते हैं और उसे हर प्रकार से सुरक्षित रखते हैं। सत्गुरु का संरक्षण शिष्य के साथ न केवल इस दुनिया में रहता है, बल्कि इससे आगे भी बना रहता है। सत्गुरु शिष्य के कर्मों के भार को अपने ऊपर ले लेते हैं, और हमेशा उसके अंग-संग बने रहते हैं। जब शिष्य के जीवन का अंत होता है, तब भी वे उसके साथ होते हैं और आगे के मंडलों में भी उसके मार्गदर्शक बनते हैं। इस वक़्त सत्गुरु हमारे अंतर में प्रकट होते हैं और हमें प्रेम से गले लगा कर रोशनी के मध्य में ले जाते हैं।

सत्गुरु दया से भरपूर होते हैं; वे हमें तकलीफ में नहीं देख सकते। सत्गुरु हमें कर्मों के कीचड़ से दूर रहने की शिक्षा देने के लिए इस संसार में आते हैं। वे चाहते हैं कि हम कर्मों के चक्र से बाहर निकलें, जिसमें उलझकर हम बार-बार इस संसार में आते हैं। वे चाहते हैं कि हम अपने सच्चे पिता के घर वापस लौटें, जहाँ किसी प्रकार की तकलीफ या मृत्यु नहीं है। हमारे जीवनकाल के दौरान भी सत्गुरु हमें कई प्रकार के खतरों से बचाते हैं। हम उनके द्वारा दी गई हर मदद से अवगत भी नहीं होते। हमारी हर तरह से मदद करने के लिए सत्गुरु सदा हमारे अंग-संग रहते हैं, जब तक कि हम परमात्मा में जाकर लीन नहीं हो जाते। एक बार जब हमें पूर्ण सत्गुरु के द्वारा नामदान मिल जाता है, तो वे हमारे दिव्य-चक्षु या तीसरे नेत्र पर विराजमान हो जाते हैं और फिर जीवन के प्रत्येक पहलू में हमें सहायता प्रदान करते हैं।

अक्षय तृतीया : बहुत शुभ होती है वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया

अक्षय तृतीया या आखा तीज वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते हैं। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किये जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। वैसे तो सभी बारह महीनों की शुक्ल पक्षीय तृतीया शुभ होती है, किन्तु वैशाख माह की तिथि स्वयंसिद्ध मुहूर्तो में मानी गई है।

महत्व

अक्षय तृतीया का सर्वसिद्ध मुहूर्त के रूप में भी विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन बिना कोई पंचांग देखे कोई भी शुभ व मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह-प्रवेश, वस्त्र-आभूषणों की खरीददारी या घर, भूखण्ड, वाहन आदि की खरीददारी से सम्बन्धित कार्य किए जा सकते हैं। नवीन वस्त्र, आभूषण आदि धारण करने और नई संस्था, समाज आदि की स्थापना या उदघाटन का कार्य श्रेष्ठ माना जाता है। पुराणों में लिखा है कि इस दिन पितरों को किया गया तर्पण तथा पिन्डदान अथवा किसी और प्रकार का दान, अक्षय फल प्रदान करता है। इस दिन गंगा स्नान करने से तथा भगवत पूजन से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। यहाँ तक कि इस दिन किया गया जप, तप, हवन, स्वाध्याय और दान भी अक्षय हो जाता है। यह तिथि यदि सोमवार तथा रोहिणी नक्षत्र के दिन आए तो इस दिन किए गए दान, जप-तप का फल बहुत अधिक बढ़ जाता हैं। इसके अतिरिक्त यदि यह तृतीया मध्याह्न से पहले शुरू होकर प्रदोष काल तक रहे तो बहुत ही श्रेष्ठ मानी जाती है। यह भी माना जाता है कि आज के दिन मनुष्य अपने या स्वजनों द्वारा किए गए जाने-अनजाने अपराधों की सच्चे मन से ईश्वर से क्षमा प्रार्थना करे तो भगवान उसके अपराधों को क्षमा कर देते हैं और उसे सदगुण प्रदान करते हैं, अतः आज के दिन अपने दुर्गुणों को भगवान के चरणों में सदा के लिए अर्पित कर उनसे सदगुणों का वरदान माँगने की परम्परा भी है।

हिन्दू धर्म में महत्व

अक्षय तृतीया के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर समुद्र या गंगा स्नान करने के बाद भगवान विष्णु की शान्त चित्त होकर विधि विधान से पूजा करने का प्रावधान है। नैवेद्य में जौ या गेहूँ का सत्तू, ककड़ी और चने की दाल अर्पित किया जाता है। तत्पश्चात फल, फूल, बरतन, तथा वस्त्र आदि दान करके ब्राह्मणों को दक्षिणा दी जाती है। ब्राह्मण को भोजन करवाना कल्याणकारी समझा जाता है। मान्यता है कि इस दिन सत्तू अवश्य खाना चाहिए तथा नए वस्त्र और आभूषण पहनने चाहिए। गौ, भूमि, स्वर्ण पात्र इत्यादि का दान भी इस दिन किया जाता है। यह तिथि वसन्त ऋतु के अन्त और ग्रीष्म ऋतु का प्रारम्भ का दिन भी है इसलिए अक्षय तृतीया के दिन जल से भरे घडे, कुल्हड, सकोरे, पंखे, खडाऊँ, छाता, चावल, नमक, घी, खरबूजा, ककड़ी, चीनी, साग, इमली, सत्तू आदि गरमी में लाभकारी वस्तुओं का दान पुण्यकारी माना गया है। इस दान के पीछे यह लोक विश्वास है कि इस दिन जिन-जिन वस्तुओं का दान किया जाएगा, वे समस्त वस्तुएँ स्वर्ग या अगले जन्म में प्राप्त होगी। इस दिन लक्ष्मी नारायण की पूजा सफेद कमल अथवा सफेद गुलाब या पीले गुलाब से करना चाहिये।

'सर्वत्र शुक्ल पुष्पाणि प्रशस्तानि सदार्चने।
दानकाले च सर्वत्र मन्त्र मेत मुदीरयेत्॥'

अर्थात सभी महीनों की तृतीया में सफेद पुष्प से किया गया पूजन प्रशंसनीय माना गया है।

ऐसी भी मान्यता है कि अक्षय तृतीया पर अपने अच्छे आचरण और सद्गुणों से दूसरों का आशीर्वाद लेना अक्षय रहता है। भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा विशेष फलदायी मानी गई है। इस दिन किया गया आचरण और सत्कर्म अक्षय रहता है।

भविष्य पुराण के अनुसार इस तिथि की युगादि तिथियों में गणना होती है, सतयुग और त्रेता युग का प्रारंभ इसी तिथि से हुआ है। भगवान विष्णु ने नर-नारायण, हयग्रीव और परशुराम जी का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ था। ब्रह्माजी के पुत्र अक्षय कुमार का आविर्भाव भी इसी दिन हुआ था। इस दिन श्री बद्रीनाथ जी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जाती है और श्री लक्ष्मी नारायण के दर्शन किए जाते हैं। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बद्रीनारायण के कपाट भी इसी तिथि से ही पुनः खुलते हैं। वृन्दावन स्थित श्री बाँके बिहारी जी मन्दिर में भी केवल इसी दिन श्री विग्रह के चरण दर्शन होते हैं, अन्यथा वे पूरे वर्ष वस्त्रों से ढके रहते हैं। जी.एम. हिंगे के अनुसार तृतीया 41 घटी 21 पल होती है तथा धर्म सिन्धु एवं निर्णय सिन्धु ग्रन्थ के अनुसार अक्षय तृतीया 6 घटी से अधिक होना चाहिए। पद्म पुराण के अनुसा इस तृतीया को अपराह्न व्यापिनी मानना चाहिए। इसी दिन महाभारत का युद्ध समाप्त हुआ था और द्वापर युग का समापन भी इसी दिन हुआ था। ऐसी मान्यता है कि इस दिन से प्रारम्भ किए गए कार्य अथवा इस दिन को किए गए दान का कभी भी क्षय नहीं होता। मदनरत्न के अनुसार:

'अस्यां तिथौ क्षयमुपैति हुतं न दत्तं। तेनाक्षयेति कथिता मुनिभिस्तृतीया॥
उद्दिष्य दैवतपितृन्क्रियते मनुष्यैः। तत् च अक्षयं भवति भारत सर्वमेव॥'

प्रचलित कथाएँ

अक्षय तृतीया की अनेक व्रत कथाएँ प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथा के अनुसार प्राचीन काल में एक धर्मदास नामक वैश्य था। उसकी सदाचार, देव और ब्राह्मणों के प्रति काफी श्रद्धा थी। इस व्रत के महात्म्य को सुनने के पश्चात उसने इस पर्व के आने पर गंगा में स्नान करके विधिपूर्वक देवी-देवताओं की पूजा की, व्रत के दिन स्वर्ण, वस्त्र तथा दिव्य वस्तुएँ ब्राह्मणों को दान में दी। अनेक रोगों से ग्रस्त तथा वृद्ध होने के बावजूद भी उसने उपवास करके धर्म-कर्म और दान पुण्य किया। यही वैश्य दूसरे जन्म में कुशावती का राजा बना। कहते हैं कि अक्षय तृतीया के दिन किए गए दान व पूजन के कारण वह बहुत धनी प्रतापी बना। वह इतना धनी और प्रतापी राजा था कि त्रिदेव तक उसके दरबार में अक्षय तृतीया के दिन ब्राह्मण का वेष धारण करके उसके महायज्ञ में शामिल होते थे। अपनी श्रद्धा और भक्ति का उसे कभी घमण्ड नहीं हुआ और महान वैभवशाली होने के बावजूद भी वह धर्म मार्ग से विचलित नहीं हुआ। माना जाता है कि यही राजा आगे चलकर राजा चंद्रगुप्त के रूप में पैदा हुआ। स्कंद पुराण और भविष्य पुराण में उल्लेख है कि वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया को रेणुका के गर्भ से भगवान विष्णु ने परशुराम रूप में जन्म लिया। कोंकण और चिप्लून के परशुराम मंदिरों में इस तिथि को परशुराम जयन्ती बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है। दक्षिण भारत में परशुराम जयन्ती को विशेष महत्व दिया जाता है। परशुराम जयन्ती होने के कारण इस तिथि में भगवान परशुराम के आविर्भाव की कथा भी सुनी जाती है। इस दिन परशुराम जी की पूजा करके उन्हें अर्घ्य देने का बड़ा माहात्म्य माना गया है। सौभाग्यवती स्त्रियाँ और क्वारी कन्याएँ इस दिन गौरी-पूजा करके मिठाई, फल और भीगे हुए चने बाँटती हैं, गौरी-पार्वती की पूजा करके धातु या मिट्टी के कलश में जल, फल, फूल, तिल, अन्न आदि लेकर दान करती हैं। मान्यता है कि इसी दिन जन्म से ब्राह्मण और कर्म से क्षत्रिय भृगुवंशी परशुराम का जन्म हुआ था। एक कथा के अनुसार परशुराम की माता और विश्वामित्र की माता के पूजन के बाद प्रसाद देते समय ऋषि ने प्रसाद बदल कर दे दिया था। जिसके प्रभाव से परशुराम ब्राह्मण होते हुए भी क्षत्रिय स्वभाव के थे और क्षत्रिय पुत्र होने के बाद भी विश्वामित्र ब्रह्मर्षि कहलाए। उल्लेख है कि सीता स्वयंवर के समय परशुराम जी अपना धनुष बाण श्री राम को समर्पित कर संन्यासी का जीवन बिताने अन्यत्र चले गए। अपने साथ एक फरसा रखते थे तभी उनका नाम परशुराम पड़ा।

जैन धर्म में अक्षय-तृतीया

तीर्थंकर आदिनाथ को प्रथम आहार देते राजा श्रेयांस (चित्र-अजमेर जैन मन्दिर)जैन धर्मावलम्बियों का महान धार्मिक पर्व है। इस दिन जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री ऋषभदेव भगवान ने एक वर्ष की पूर्ण तपस्या करने के पश्चात इक्षु (शोरडी-गन्ने) रस से पारायण किया था। जैन धर्म के प्रथम तीर्थकर श्री आदिनाथ भगवान ने सत्य व अहिंसा का प्रचार करने एवं अपने कर्म बन्धनों को तोड़ने के लिए संसार के भौतिक एवं पारिवारिक सुखों का त्याग कर जैन वैराग्य अंगीकार कर लिया। सत्य और अहिंसा के प्रचार करते-करते आदिनाथ प्रभु हस्तिनापुर गजपुर पधारे जहाँ इनके पौत्र सोमयश का शासन था। प्रभु का आगमन सुनकर सम्पूर्ण नगर दर्शनार्थ उमड़ पड़ा सोमप्रभु के पुत्र राजकुमार श्रेयांस कुमार ने प्रभु को देखकर उसने आदिनाथ को पहचान लिया और तत्काल शुद्ध आहार के रूप में प्रभु को गन्ने का रस दिया, जिससे आदिनाथ ने व्रत का पारायण किया। जैन धर्मावलंबियों का मानना है कि गन्ने के रस को इक्षुरस भी कहते हैं इस कारण यह दिन इक्षु तृतीया एवं अक्षय तृतीया के नाम से विख्यात हो गया। भगवान श्री आदिनाथ ने लगभग 400 दिवस की तपस्या के पश्चात पारायण किया था। यह लम्बी तपस्या एक वर्ष से अधिक समय की थी अतः जैन धर्म में इसे वर्षीतप से सम्बोधित किया जाता है। आज भी जैन धर्मावलम्बी वर्षीतप की आराधना कर अपने को धन्य समझते हैं, यह तपस्या प्रति वर्ष कार्तिक के कृष्ण पक्ष की अष्टमी से आरम्भ होती है और दूसरे वर्ष वैशाख के शुक्लपक्ष की अक्षय तृतीया के दिन पारायण कर पूर्ण की जाती है। तपस्या आरम्भ करने से पूर्व इस बात का पूर्ण ध्यान रखा जाता है कि प्रति मास की चौदस को उपवास करना आवश्यक होता है। इस प्रकार का वर्षीतप करीबन 13 मास और दस दिन का हो जाता है। उपवास में केवल गर्म पानी का सेवन किया जाता है। भारत वर्ष में इस प्रकार की वर्षी तपश्चर्या करने वालों की संख्या हज़ारों तक पहुँच जाती है। यह तपस्या धार्मिक दृष्टिकोण से अन्यक्त ही महत्त्वपूर्ण है, वहीं आरोग्य जीवन बिताने के लिए भी उपयोगी है। संयम जीवनयापन करने के लिए इस प्रकार की धार्मिक क्रिया करने से मन को शान्त, विचारों में शुद्धता, धार्मिक प्रवृत्रियों में रुचि और कर्मों को काटने में सहयोग मिलता है। इसी कारण इस अक्षय तृतीया का जैन धर्म में विशेष धार्मिक महत्व समझा जाता है। मन, वचन एवं श्रद्धा से वर्षीतप करने वाले को महान समझा जाता है।

संस्कृति में

इस दिन से शादी-ब्याह करने की शुरुआत हो जाती है। बड़े-बुजुर्ग अपने पुत्र-पुत्रियों के लगन का मांगलिक कार्य आरंभ कर देते हैं। अनेक स्थानों पर छोटे बच्चे भी पूरी रीति-रिवाज के साथ अपने गुड्डा-गुड़िया का विवाह रचाते हैं। इस प्रकार गाँवों में बच्चे सामाजिक कार्य व्यवहारों को स्वयं सीखते व आत्मसात करते हैं। कई जगह तो परिवार के साथ-साथ पूरा का पूरा गाँव भी बच्चों के द्वारा रचे गए वैवाहिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हो जाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि अक्षय तृतीया सामाजिक व सांस्कृतिक शिक्षा का अनूठा त्यौहार है। कृषक समुदाय में इस दिन एकत्रित होकर आने वाले वर्ष के आगमन, कृषि पैदावार आदि के शगुन देखते हैं। ऐसा विश्वास है कि इस दिन जो सगुन कृषकों को मिलते हैं, वे शत-प्रतिशत सत्य होते हैं। राजपूत समुदाय में आने वाला वर्ष सुखमय हो, इसलिए इस दिन शिकार पर जाने की परंपरा है।

खुदा का इनाम, खुशियों का गुलदस्ता और रौनक का जश्न है ईद उल-फ़ित्र

रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना है। इस पूरे माह में रोजे रखे जाते हैं। इस महीने के खत्म होते ही दसवां माह शव्वाल शुरू होता है। इस माह की पहली चांद रात ईद की चांद रात होती है। इस रात का इंतजार वर्ष भर खास वजह से होता है, क्योंकि इस रात को दिखने वाले चांद से ही इस्लाम के बड़े त्योहार ईद उल-फ़ित्र का ऐलान होता है। इस तरह से यह चांद ईद का पैगाम लेकर आता है। इस चांद रात को अल्फा कहा जाता है।

रमजान माह की इबादतों और रोजे के बाद जलवा अफरोज हुआ ईद उल-फ़ित्र (ईद-उल फितर) का त्योहार खुदा का इनाम है, मुसर्रतों का आगाज है, खुशखबरी की महक है, खुशियों का गुलदस्ता है, मुस्कुराहटों का मौसम है, रौनक का जश्न है। इसलिए ईद का चांद नजर आते ही माहौल में एक गजब का उल्लास छा जाता है।

ईद के दिन सिवइयों या शीर-खुरमे से मुंह मीठा करने के बाद छोटे-बड़े, अपने-पराए, दोस्त-दुश्मन गले मिलते हैं तो चारों तरफ मोहब्बत ही मोहब्बत नजर आती है। एक पवित्र खुशी से दमकते सभी चेहरे इंसानियत का पैगाम माहौल में फैला देते हैं। अल्लाह से दुआएं मांगते व रमजान के रोजे और इबादत की हिम्मत के लिए खुदा का शुक्र अदा करते हाथ हर तरफ दिखाई पड़ते हैं और यह उत्साह बयान करता है कि लो ईद आ गई।

कुरआन के अनुसार पैगंबरे इस्लाम ने कहा है कि जब अहले ईमान रमजान के पवित्र महीने के एहतेरामों से फारिग हो जाते हैं और रोजों-नमाजों तथा उसके तमाम कामों को पूरा कर लेते हैं, तो अल्लाह एक दिन अपने उक्त इबादत करने वाले बंदों को बख्शीश व इनाम से नवाजता है। इसलिए इस दिन को ईद कहते हैं और इसी बख्शीश व इनाम के दिन को ईद-उल-फितर (ईद-उल-फित्र) का नाम देते हैं।

रमजान माह के रोजे को एक फर्ज करार दिया गया है, ताकि इंसानों को भूख-प्यास का महत्व पता चले। भौतिक वासनाएं और लालच इंसान के वजूद से जुदा हो जाए और इंसान कुरआन के अनुसार अपने को ढाल लें। इसलिए रमजान का महीना इंसान को अशरफ और आला बनाने का मौसम है। पर अगर कोई सिर्फ अल्लाह की ही इबादत करे और उसके बंदों से मोहब्बत करने व उनकी मदद करने से हाथ खींचे तो ऐसी इबादत को इस्लाम ने खारिज किया है। क्योंकि असल में इस्लाम का पैगाम है- अगर अल्लाह की सच्ची इबादत करनी है तो उसके सभी बंदों से प्यार करो और हमेशा सबके मददगार बनो। यह इबादत ही सही इबादत है।

यही नहीं, ईद की असल खुशी भी इसी में है।

भगवान परशुराम के जीवन से जुड़े पौराणिक किस्से

कुछ प्रसिद्ध रामायण वक्ताओं के मुख से कई बार यह सुनाई देता है कि परशुराम क्रोधी थे, जनकपुर में धनुष भंजन के बाद जब वह यज्ञ शाला में पहुंचे तो वे बड़े क्रुद्ध हुए। लक्ष्मण ने उन्हें खूब छकाया, जब भगवान श्री राम ने उनके धनुष में तीर का संधान किया तो राम के सम्मुख नतमस्तक होकर चले गए आदि-आदि। परशुराम दशावतारों में हैं। क्या उन्हें इतना भी आभास नहीं होगा कि यह धनुष किसने तोड़ा? क्या वह साधारण पुरुष हैं?

श्री राम द्वारा धनुष तोड़ने के बाद समस्त राजाओं की दुरभिसंधि हुई कि श्री राम ने धनुष तो तोड़ लिया है, लेकिन इन्हें सीता स्वयंवर से रोकना होगा। वे अतः अपनी-अपनी सेनाओं की टुकड़ियों के साथ धनुष यज्ञ में आए समस्त राजा एकजुट होकर श्री राम से युद्ध के लिए कमर कस कर तैयार हो गए। धनुष यज्ञ गृह युद्ध में बदलने वाला था, ऐसी विकट स्थिति में वहां अपना फरसा लहराते हुए परशुराम जी प्रकट हो गए। वे राजा जनक से पूछते हैं कि तुरंत बताओ कि यह शिव धनुष किसने तोड़ा है, अन्यथा जितने राजा यहां बैठे हैं.... मैं क्रमशः उन्हें अपने परशु की भेंट चढ़ाता हूं। तब श्री राम विनम्र भाव से कहते हैं- हे नाथ शंकर के धनुष को तोड़ने वाला कोई आपका ही दास होगा। परशुराम-राम संवाद के बीच में ही लक्ष्मण उत्तेजित हो उठे, विकट लीला प्रारंभ हो गई। संवाद चलते रहे लीला आगे बढ़ती रही परशुराम जी ने श्री राम से कहा अच्छा मेरे विष्णु धनुष में तीर चढ़ाओ... तीर चढ़ गया, परशुराम जी ने प्रणाम किया और कहा मेरा कार्य अब पूरा हुआ, आगे का कार्य करने के लिए श्री राम आप आ गए हैं। गृह युद्ध टल गया। सारे राजाओं ने श्री राम को अपना सम्राट मान लिया, भेंट पूजा की एवं अपनी-अपनी राजधानी लौट गए। श्री राम के केंद्रीय शासन नियमों से धर्मयुक्त राज्य करने लगे। देश में शांति छाने लगी अब श्री राम निश्चिंत थे क्योंकि उन्हें तो देश की सीमाओं के पार से संचालित आतंक के खिलाफ लड़ना था, इसीलिए अयोध्या आते ही वन को चले गए। पंचवटी में लीला रची गई, लंका कूच हुआ। रावण का कुशासन समाप्त हुआ, राम राज्य की स्थापना हुई। अतः राम राज्य की स्थापना की भूमिका तैयार करने वाले भगवान परशुराम ही थे।

भगवान परशुराम के किस्से- भगवान परशुराम राम के काल में भी थे और कृष्ण के काल में भी उनके होने की चर्चा होती है। ऐसा माना जाता है कि वे कल्प के अंत तक वे धरती पर ही तपस्यारत रहेंगे। पौराणिक कथा में वर्णित है कि महेंद्रगिरि पर्वत भगवान परशुराम की तप की जगह थी और अंततः वह उसी पर्वत पर कल्पांत तक के लिए तपस्यारत होने के लिए चले गए थे। जानिए परशुराम के किस्से -

- जब एक बार गणेशजी ने परशुराम को शिव दर्शन से रोक लिया तो, रुष्ट परशुराम ने उन पर परशु प्रहार कर दिया, जिससे गणेश का एक दांत नष्ट हो गया और वे एकदंत कहलाए।
- जनक, दशरथ आदि राजाओं का उन्होंने समुचित सम्मान किया। सीता स्वयंवर में श्री राम का अभिनंदन किया।

- कौरव-सभा में कृष्ण का समर्थन किया।
- उन्होंने भीष्म, द्रोण व कर्ण को शस्त्र विद्या प्रदान की थी। इस तरह परशुराम के अनेक किस्से हैं।
- असत्य वाचन करने के दंड स्वरूप कर्ण को सारी विद्या विस्मृत हो जाने का श्राप दिया था।

सोने-चांदी के दामों में गिरावट

नई दिल्ली । अक्षय तृतीया के ठीक पहले शुक्रवार को सोने ओर चांदी की कीमतें गिरी हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही सर्राफा बाजार में 10 ग्राम सोना नीचे आकर 60,550 रुपये पर पहुंच गया है। वहीं इसी प्रकार एक किलो चांदी की कीमतें भी गिरी हैं। अब ये 75,080 रुपये में मिल रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 430 रुपये टूटकर 60,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 60,980 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं इसी तरह चांदी भी 670 रुपये नीचे आकर साथ 75,080 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बंद हुई। बाजार जानकारों के अनुसार अक्षय तृतीया पर खुदरा मांग बेहतर हो सकती है। इसका कारण ये है कि अक्षय तृतीया को सोना खरीदना अच्छा माना जाता है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी दोनों गिरावट आई है। सोना नीचे आकर 1,988 डॉलर प्रति औंस जबकि चांदी 25.12 डॉलर प्रति औंस पर हैं।

जम्मू-कश्मीर सरकार सितंबर में बाजार में पेश करेगी मशरूम की नई किस्म

जम्मू । जम्मू-कश्मीर का कृषि विभाग मशरूम की नई किस्म एनपीएस-5 इस साल सितंबर में बाजार में पेश करेगा। यह नई किस्म उच्च प्रतिरोधी क्षमता वाली है और जल्द खराब नहीं होगी। कृषि विभाग के निदेशक, केके शर्मा ने बताया कि हमारी मशरूम की दूसरी किस्म एनपीएस-5 है। हम इसका मास्टर कल्चर बना रहे हैं। इस साल सितंबर महीने तक किसानों को बीज वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि परीक्षण सफल रहे। यह कम पानी, अधिक पानी की स्थितियों और कार्बन डाइऑक्साइड की उच्च सांद्रता से प्रभावित नहीं होता है। यह जल्दी खराब भी नहीं होता है। इस किस्म के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि बाजार में मौजूद ज्यादातर मशरूम अगर एक या दो दिन नहीं बिके तो वे बासी हो जाते हैं। लेकिन मशरूम की नई किस्म के साथ ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि इसकी गुणवत्ता के कारण, इसका बाजार मूल्य बढ़ेगा और यह अधिक आय सृजित करेगा। कृषि विभाग जम्मू-कश्मीर में मशरूम क्षेत्र के विकास को सुनिश्चित करने के लिए कई मोर्चों पर काम कर रहा है। जब मशरूम अपने शेल्फ लाइफ के दौरान भूरे रंग का हो जाता है, तो इसका बाजार में दाम घट जाता है और किसानों और इसके बाजार को घाटा होता है। नई किस्म के मामले में ऐसा नहीं है। जम्मू-कश्मीर में मशरूम की खेती में जोड़े गई नई विशेषताओं के कारण किसानों को फायदा होगा।

ओरिएंट ग्रीन पावर को मार्च तिमाही में 19 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली । ओरिएंट ग्रीन पावर कंपनी को बीते वित्त वर्ष की मार्च में समाप्त तिमाही में 18.97 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। बीएसई को दी नियामकीय सूचना में कंपनी ने यह जानकारी दी। साल भर पहले की समान तिमाही में कंपनी को 32.35 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय 46.45 करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 40.20 करोड़ रुपए थी। पिछले वर्ष की इसी अवधि में 70.88 करोड़ रुपए के खर्च के मुकाबले समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 71.99 करोड़ रुपए हो गया।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को मामूली बढ़त के था बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में दुनिया भर के बाजारों से मिजे-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी से बाजार में कुछ बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 22.71 अंक करीब 0.04 फीसदी बढ़कर 59,655.06 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 59,781.36 तक ऊपर आने के बाद 59,412.81 अंक तक फिसला। वहीं, दूसरी ओर पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में कोई विशेष बदलाव नहीं रहा। इसमें 0.40 अंकों की हल्की गिरावट रही। कारोबार के अंत में निफ्टी 17,624.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 17,663.20 की उंचाई तक गया और नीचे में 17,553.95 तक आया। वहीं गत कारोबारी सत्र में भी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 14 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। सबसे अधिक लाभ में आईटीसी के शेयर रहे। ये 1.99 फीसदी तक बढ़े। वहीं टीसीएस, विप्रो, एशियन पेट्स और एचसीएल टेक के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं, दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 16 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। टेक महिंद्रा, मारुति, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा मोटर्स सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। । टेक महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा नुकसान के साथ ही 2.26

फीसदी तक नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की बढ़त के साथ खुले। दुनिया भर के बाजारों से` मिलेजुले संकतों की वजह से शुक्रवार के कारोबारी` दिन शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ खुले। इस दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 134 अंक चढ़कर 59,766.37 पर पहुंच गया। व्यापक एनएसई निफ्टी 36.4 अंक बढ़कर 17,660.85 पर कारोबार कर रहा था।

भारत और अफ्रीका के बाजार में मिलकर काम करेंगे एयरटेल और एप्पल

मुंबई । एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक ने भारती समूह के संस्थापक और चेयरमैन सुनील मित्तल से मुलाकात की। भारती समूह ने शुक्रवार को कहा कि दोनों कारोबारी दिग्गजों ने भारत और अफ्रीका के बाजार में मिलकर काम करने की सहमति जाहिर की हैं। एप्पल ने इस सप्ताह भारत में अपने पहले दो आधिकारिक स्टोर खोले हैं। भारती समूह ने कहा, कुक और मित्तल ने शुक्रवार की सुबह एक घंटे तक बैठक की। एप्पल और एयरटेल के बीच जारी लंबे रिश्ते पर संतोष जताकर उन्होंने भारतीय और अफ्रीकी बाजार में मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

कारोबार और मनोरंजन के मेल में यकीन करते हैं टिम कुक

नई दिल्ली ।

अगर भारत यात्रा के दौरान ऐपल के मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) टिम कुक की ट्विटर टाइमलाइन पर नजर डाली जाए तो आसानी से यह कहा जा सकता है कि वह कारोबार और मनोरंजन के मेल में यकीन करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो कुक के लिए दिल बहलाव भी कारोबार से जुड़ा हुआ है। जिस समय कुक दिल्ली और मुंबई के ऐपल स्टोर में उत्साहित लोगों का स्वागत नहीं कर रहे थे या उच्चस्तरीय बैठकों में शामिल नहीं थे तब उन्होंने क्रिएटरों, शिक्षाविदों और खिलाड़ियों से मिलने का फैसला किया। ऐसी हर मुलाकात के बाद उन्होंने अपने अनुभव ट्वीट किए और बहुत सावधानी से अपने ट्वीट में ऐपल के उत्पादों को शामिल कियाइस दौरान कुक जिन उत्पादों को केंद्र में लाए उनमें आईफोन शामिल नहीं था। इसके बजाय उन्होंने 1.4 करोड़ फॉलोअर वाली अपनी ट्विटर प्रोफाइल पर ऐपल वॉच, मैकबुक प्रो और आईपैड को जगह दी। दरअसल कंपनी चाहती है कि भारतीयों में इन उत्पादों का इस्तेमाल मौजूदा स्तर से बढ़े। मुंबई में ऐपल बीकेसी के शानदार उदघाटन के बाद वह हैदराबाद गए जहां उन्होंने बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद और खिलाड़ियों साइना नेहवाल, किदांबी श्रीकांत, चिराग शेट्टी और परुपल्ली कश्यप से मुलाकात की। उन्होंने प्री-स्कूल बच्चों के लर्निंग ऐप किड्डोपा के संस्थापकों और फिर संगीतकार मालविका मनोज से मुलाकात की। मुंबई में अपने आखिरी दिन कुक इंडियन स्कूल ऑफ डिजाइन ऐंड इनोवेशन के छात्रों से मिले। इसके बाद उन्होंने ट्वीट किया` कि से यह साझा करने के लिए कि किस तरह आप लोग आईपैड के जरिये शानदार डिजाइन तैयार करते हैं। भारत में कुक का कार्यक्रम बहुत सावधानी से तैयार किया गया था ताकि वे ऐपल के बढ़ते बाजार की संभावनाओं का जायजा ले सकें।

अक्षय तृतीया पर सोने की मांग में 20 फीसदी गिरावट आने की आशंका

- सोने का मौजूदा भाव करीब 60,280 रुपए प्रति दस ग्राम है

नई दिल्ली ।

पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों में आई तेजी का असर अक्षय तृतीया पर होने वाली गहनों की बिक्री पर देखा जा सकता है। आभूषण विक्रेताओं ने इस बार अक्षय तृतीया पर बिक्री में 20 प्रतिशत तक कमी आने की आशंका जताई है। सोना इस समय देश के अधिकांश हिस्सों में 60,000 रुपए प्रति 10 ग्राम मिल रहा है। ऐसी स्थिति में लोग बेहद जरूरी होने पर ही सोना खरीदना पसंद कर रहे हैं। इसका असर अक्षय तृतीया पर महंगे आभूषणों की होने वाली परंपरागत खरीद पर पड़ सकता है। अक्षय तृतीया को सोने के गहनों एवं सिक्कों की खरीद के लिए शुभ माना जाता है। इस दिन लोग अपने सामर्थ्य के अनुरूप छोटे-बड़े आभूषण या सिक्के खरीदने की कोशिश करते हैं लेकिन पिछले चार महीनों में सोने के दाम में आया उछाल इस बार उन्हें मायूस कर सकता है। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण परिषद (जीजेसी) के चेयरमैन संयम मेहरा ने कहा कि सोने के भाव हाल ही में 60,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंचने से ग्राहकों का बड़ा तबका आशंकित हो गया है। हालांकि, कुछ दिन से दाम थोड़े गिरे हैं लेकिन ये अब भी ऊंचे हैं। इसका असर अक्षय तृतीया पर होने वाली बिक्री पर पड़ेगा। हमारा अनुमान है कि बिक्री पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत घट सकती है। सोने का मौजूदा भाव करीब 60,280 रुपए प्रति दस ग्राम है।

उन्होंने कहा कि अक्षय तृतीया पर होने वाले कुल कारोबार में दक्षिण भारतीय राज्यों की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत होती है जबकि पश्चिमी भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत रहती है। इस खरीदारी में पूर्वी भारत का हिस्सा 20 प्रतिशत और उत्तर भारत का हिस्सा करीब 15 प्रतिशत रहता है। जीजेसी के पूर्व चेयरमैन एवं एनएसी ज्वेलर्स (चेन्नई) के प्रबंध निदेशक अनंत पद्मनाभन ने भी कुछ इसी तरह की आशंका जताते हुए कहा कि महंगे सोने की मार अक्षय तृतीया पर आने वाली मांग को कम कर सकती है। हालांकि, उन्होंने बिक्री पर इसका असर 10 प्रतिशत ही पड़ने की बात कही है। साल 2012 में अक्षय तृतीया के मौके पर सोने की कीमत 29,020 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। आज की कीमत से इसकी तुलना करें तो ये डबल से ज्यादा हो चुका है। इस साल सोने की कीमत 60 हजार रुपए के पार जा चुका है। साल 2022 अक्षय तृतीया के मौके पर सोने की कीमत 50808 रुपए थी यानी इस साल आपको अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने के लिए पिछले साल की तुलना में इस साल 10 हजार रुपए से अधिक अतिरिक्त खर्च करना होगा।

देश का स्मार्टफोन बाजार पहली तिमाही में 20 प्रतिशत गिरा

नई दिल्ली ।

सुस्त उपभोक्ता मांग के बीच भारतीय स्मार्टफोन बाजार में पहली तिमाही में 20 प्रतिशत की पहली तिमाही की गिरावट देखी गई। एक नए शोध में यह जानकारी दी गई है। कुल मिलाकर भारत के स्मार्टफोन बाजार में 2023 की पहली तिमाही में 30.6 मिलियन यूनिट शिपमेंट देखा गया, जो कि 2022 की पहली तिमाही में 38.2 मिलियन यूनिट से भारी गिरावट है। बाजार अनुसंधान फर्म कैनालिस के अनुसार बाजार में अभी भी असमान मांग का संकट देखा जा रहा है और स्टॉक बिल्ड-अप के लिए चैनल कमजोर बने हुए हैं। सैमसंग 21 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ 6.3 मिलियन यूनिट शिपिंग के साथ शीर्ष स्थान पर रहा। ओप्पो ने वीवो और शाओमी को पीछे छोड़ 5.5 मिलियन शिपमेंट के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया, जो नए उत्पाद के सफल लॉन्च से प्रेरित है। काफी पीछे रहने के बाद, वीवो 5.4 मिलियन शिपमेंट के साथ तीसरे स्थान पर रहा, क्योंकि इसने ऑफलाइन चैनलों में मजबूत गति जारी रखी। शाओमी चौथे स्थान पर फिसल गया, 5 मिलियन यूनिट की शिपिंग हुई, जबकि रियलमी ने 2.9 मिलियन शिपमेंट के साथ पांचवां स्थान बनाए रखा क्योंकि ऑनलाइन चैनल म्यूट रहा।

वर्तमान में भारत की स्मार्टफोन निर्यात वृद्धि मुख्य रूप से एप्पल और सैमसंग द्वारा संचालित है, जो पहली तिमाही में लगभग 4 अरब डॉलर का रिकॉर्ड तोड़ निर्यात मूल्य प्राप्त करने में मदद कर रहा है। कैनालिस को इस साल मामूली वृद्धि की उम्मीद है, जो जैविक विकास चालकों द्वारा संचालित है। जैसा कि रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि अपग्रेड चक्र को प्रोत्साहित करने के लिए, 5जी डिवाइस और अन्य बाजार चालकों को उपभोक्ताओं के लिए सम्मोहक उपयोगिता प्रदान करनी चाहिए। एप्पल के नए ऑफलाइन स्टोर में विशेषज्ञ कर्मचारी कार्यरत हैं जो इसके ब्रांड अनुभव और स्थिति को और बढ़ाएंगे। जबकि ऑनलाइन भारी ब्रांडों ने मुख्य रूप से ई-कॉमर्स बिक्री के माध्यम से इकाइयों को संचालित किया है, जिससे आवधिक मात्रा में वृद्धि हुई है।

कुमार मंगलम वोडाफोन-आइडिया में लौटे, बने गैर-कार्यकारी निदेशक

नई दिल्ली । वोडाफोन आइडिया के गैर-कार्यकारी निदेशक और गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में लगभग दो साल पहले पद छोड़ने के बाद कुमार मंगलम बिड़ला को मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर के निदेशक मंडल में अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। वोडाफोन आइडिया ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल ने गत दिवस हुई बैठक में कुमार मंगलम बिड़ला को 20 अप्रैल से अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी और गैर-स्वतंत्र) नियुक्त किया है। कुमार मंगलम बिड़ला बहुराष्ट्रीय आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष हैं, जो छह महाद्वीपों के 36 देशों में काम करता है। वह एक चार्टर्ड एकाउंटेंट हैं और उनके पास लंदन बिजनेस स्कूल से एमबीए की डिग्री है। आदित्य बिड़ला ग्रुप (एबीजी) के 27 प्लस वर्षों में उन्होंने विकास को गति दी है, योग्यता का निर्माण किया है और हितधारक मूल्य में वृद्धि की है। इस प्रक्रिया में उन्होंने एबीजी का टर्नओवर 30 गुना बढ़ा दिया है। कुमार मंगलम भारत में और वैश्विक स्तर पर 40 से अधिक अधिग्रहणों के सूत्रधार रहे हैं, जो किसी भी भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी द्वारा सबसे अधिक हैं। कंपनी ने कहा कि उनके नेतृत्व में आदित्य बिड़ला समूह सीमेंट से लेकर रसायन, धातु से लेकर कपड़ा और फैशन से लेकर वित्तीय सेवाओं तक सभी प्रमुख क्षेत्रों में नेतृत्व करता है। बिड़ला ने 4 अगस्त 2021 को वोडाफोन आइडिया के बोर्ड के गैर-कार्यकारी निदेशक और गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पद छोड़ दिया था।

एलन मस्क ने माइक्रोसॉफ्ट पर मुकदमा करने की धमकी दी

सैन फ्रांसिस्को ।

ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने माइक्रोसॉफ्ट पर मुकदमा करने की धमकी दी। सॉफ्टवेयर दिग्गज पर अपने एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए सोशल मीडिया कंपनी के डेटा का अवैध रूप से उपयोग करने का आरोप लगाया। माइक्रोसॉफ्ट द्वारा अपने विज्ञापन प्लेटफॉर्म से ट्विटर को हटाने के बाद मस्क ने कहा कि क्योंकि उसने कथित तौर पर ट्विटर के एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) शुल्क का भुगतान करने से इनकार कर दिया था। उनके बयान की संभावना माइक्रोसॉफ्ट के स्वामित्व वाले ओपनएआई पर कथित तौर पर चैटजीपीटी नामक एआई चैटबॉट के लिए बड़े भाषा मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए ट्विटर डेटा का उपयोग करने पर है। हालांकि माइक्रोसॉफ्ट ने मस्क की धमकी पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। तकनीकी दिग्गज ने कहा कि यह 25 अप्रैल से ट्विटर का समर्थन नहीं करेगा। 25 अप्रैल, 2023 से, मल्टी-प्लेटफार्म वाले स्मार्ट अभियान अब ट्विटर का समर्थन नहीं करेगा।संदेश में कहा गया है, आप हमारे सामाजिक प्रबंधन टूल के

माध्यम से अपने ट्विटर खाते तक पहुंचने, ड्राफ्ट या ट्वीट्स बनाने और प्रबंधित करने, पिछले ट्वीट्स और जुड़ाव देखने, ट्वीट्स शेड्यूल करने में असमर्थ होगा।

क्रूड दूसरे दिन भी सस्ता, एनसीआर में पेट्रोल-डीजल की कीमत बदली

ब्रेंट क्रूड करीब 2 डॉलर टूटकर 80.89 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी जारी है और पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड 2 डॉलर और सस्ता हुआ है। दो दिनों के भीतर इसकी कीमतों में 4 डॉलर प्रति बैरल की नरमी आ चुकी है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार को जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। शुक्रवार को एनसीआर के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के भाव बदल गए हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) जिले में पेट्रोल 27 पैसे सस्ता होकर 96.65 रुपए लीटर हो गया है।

यहां डीजल 26 पैसे गिरकर 89.82 रुपए लीटर बिक रहा है। गाजियाबाद में पेट्रोल 32 पैसे महंगा हुआ और 96.58 रुपए लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 30 पैसे चढ़कर 89.75 रुपए लीटर बिक रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड करीब 2 डॉलर टूटकर 80.89 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भी ग्लोबल मार्केट में गिरावट के साथ 77.29 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

मेटा ने वैश्विक स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी शुरु की

सैन फ्रांसिस्को ।

मेटा ने वैश्विक स्तर पर टेक बैकग्राउंड वाले कर्मचारियों को पिंक स्लिप सौंपकर छंटनी का एक नया दौर शुरू किया है। कई मेटा कर्मचारी अपने हालात बयान कर बता रहे हैं, कि उन्हें जाने के लिए कहा गया है। बिजनेस प्रोग्राम मैनेजर टेरेसा जिमेनेज ने पोस्ट किया, मैं आज सुबह खबर के साथ जागी कि मैं आज मेटा से हटाए गए कई लोगों में से एक थी। यदि आपके पास करियर के कोई अवसर हैं, तब कृपया मेरे साथ साझा करने में संकोच न करें! पिछले 3 वर्षों से मेरा ध्यान मुख्य रूप से ओपएक्स और हेडकाउंट ओआरजी दक्षता बढ़ाने पर केंद्रित कार्यक्रमों की स्थापना पर रहा है। उन्होंने कहा कि कई उत्पाद-केंद्रित टेक कार्यक्रम प्रबंधक आज भी प्रभावित हुए हैं। आपके पास कोई अवसर हैं, तब कृपया मुझसे संपर्क करें।

नौकरी में कटौती ने उपयोगकर्ता अनुभव, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, ग्राफिक्स प्रोग्रामिंग और अन्य भूमिकाओं जैसे वर्टिकल में काम करने वाले लोगों को प्रभावित किया है। एक मेटा प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि की कि कटौती शुरू हो गई है। लंदन में मेटा छंटनी ने इंस्टाग्राम कार्यालय को प्रभावित किया और कंपनी के छंटनी के नए दौर के हिस्से के रूप में कर्मचारियों को या तब निकाला या स्थानांतरित किया जा सकता है। मेटा कथित तौर पर इस सप्ताह कम से कम 4,000 उच्च-कुशल कर्मचारियों की छंटनी करने जा रहा है। मार्च में, मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने घोषणा की थी कि कंपनी आने वाले महीनों में 10,000 नौकरियों में कटौती करेगी।

लेखा परीक्षकों से हर बिल, लेनदेन को देखने की अपेक्षा नहीं की जा सकती: आईसीएआई अध्यक्ष

नई दिल्ली ।

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के नव निर्वाचित अध्यक्ष अनिकेत तलाती ने कहा कि लेखा परीक्षकों से हर एक बिल और लेन-देन को देखने और उस पर गौर करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। लेकिन यह जरूर उम्मीद की जाती है कि वित्तीय विवरण में सूचना गलत नहीं हो। लेखा परीक्षकों की भूमिका जांच के घेरे में आने के बीच उन्होंने यह बात कही। खासकर आईएलएंडएफएस संकट के बाद लेखा परीक्षकों की भूमिका जांच के दायरे में आई है। इस साल फरवरी में अध्यक्ष चुने गये तलाती ने कहा कि हमारा लेखा मानक आज काफी हद तक अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। जब कोई सूचीबद्ध कंपनी साल के ओं खिर में 45 दिन और 60 दिन में तिमाही वित्तीय परिणाम दे रही है, तो यह कभी नहीं सोचा जा सकता है कि आप हर एक लेन-देन को देखेंगे। यह एक लेखापरीक्षा की अपेक्षा कभी नहीं रही है। उन्होंने कहा` कि कंपनी के लेखा परीक्षक से सभी बिलों और लेन-देन पर गौर करने की अपेक्षा कभी नहीं रही है। उनसे उच्चतम स्तर की ईमानदारी की जरूर अपेक्षा की जाती है। लेखा परीक्षण करने वाली इकाई के पास रिपोर्टिंग मानकों और रिपोर्टिंग दायित्वों में तकनीकी क्षमता होनी चाहिए। देश के सेवा निर्यात में लेखा परीक्षकों का योगदान मार्च, 2023 में बढ़कर 30 प्रतिशत हो गया जो बीते साल इस दौरान 29 प्रतिशत था। अडाणी-हिंडनबर्ग रिपोर्ट विवाद मामले में आईसीएआई के अध्यक्ष ने कहा कि मामला अब न्यायालय के विचाराधीन है।

घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगी मुंबई इंडियंस

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को मुंबई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स को हराकर अंकतालिका में ऊपर आने का प्रयास करेगी। मुम्बई के लिए इस आईपीएल की शुरुआत अच्छी नहीं रही पर उसने बाद के मुकाबलों में जीत के साथ अच्छी वापसी की है। अब वह वानखेड़े स्टेडियम में जीत के प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी।

मुंबई को पहले दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद उसने दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद को हराया। अब वह अंक अंक तालिका में छठे स्थान पर है।

वहीं दूसरी तरफ पंजाब की टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। उसे नियमित कप्तान शिखर धवन के चोटिल होने से भी झटका लगा है। धवन ने ही इस सत्र में टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाये थे। वह चोटिल होने के कारण पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए थे और उनका इस मैच में खेलना भी संभव नहीं है। टीम के पास कोई अन्य बल्लेबाज ऐसा नहीं है जो उनकी जगह ले सके।

धवन ने शुरुआती मैचों में शानदार बल्लेबाजी की थी लेकिन इसके बाद कंधे की चोट के कारण उन्हें बाहर बैठना पड़ा। पंजाब किंग्स के क्षेत्ररक्षण कोच ट्रैवर गोंजाल्विस ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ हार के बाद कहा है कि धवन को अभी फिट होने में समय लगेगा।

पंजाब ने अभी तक छह मैच खेले हैं जिनमें से उसे तीन मैचों में जीत मिली पर उसे पिछले चार में से तीन मैचों में हार मिली है। इन सभी मैचों में उसे धवन की कमी महसूस हुई। धवन इनमें होते तो परिणाम कुछ और होते।

धवन के नहीं होने से पंजाब ने सिकंदर रजा के अर्धशतक की सहायता से लखनऊ सुपरजाइंट्स को हराया था पर आरसीबी के खिलाफ 175 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी।

सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के 46 रन बनाकर फॉर्म में वापसी से टीम को

राहत मिली है पर जीत के लिए लियाम लिविंगस्टोन, मैथ्यू शॉर्ट और कार्यवाहक कप्तान सैम करेन को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

पंजाब किंग्स के गेंदबाजों अर्शदीप सिंह, कैगिसो रबाडा और करेन को मुम्बई के बल्लेबाजों पर अंकुश भी लगाना होगा।

मुम्बई की ताकत कप्तान रोहित शर्मा और ईशान किशन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। इसके अलावा टीम के पास कैमरन ग्रीन और टिम डेविड जैसे खिलाड़ी हैं पर मध्यक्रम के प्रमुख बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के फार्म में नहीं होने से टीम पर दबाव आयेगा।

गेंदबाजी में उसे इस मैच में भी जोफा आर्चर के बिना ही उतरना होगा। टीम को युवा ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। अर्जुन ने अब तक के दोनो ही मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। गेंदबाजी की कमान जेसन बेहरेनडॉर्फ, रिले मेरेडिथ और स्पिनर पीयूष चावला जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के पास रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस: रोहित शर्मा (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, डेवाल्ड ब्रेविस, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, विष्णु विनोद, कैमरन ग्रीन, अर्जुन तेंदुलकर, रमनदीप सिंह, शम्स मुलानी, रिले मेरेडिथ नेहल वढेरा, ऋतिक शौकीन, अरशद खान, डुआन जानसेन, पीयूष चावला, कुमार कार्तिकेय, राघव गोयल, जोफ्रा आर्चर, जेसन बेहरेनडॉर्फ, आकाश मधवाल।

पंजाब किंग्स: शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राहुल चाहर, सैम करेन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, गुरनूर बराड़, हरप्रीत बराड़, हरप्रीत सिंह, विद्वाथ कावेरप्पा, लियाम लिविंगस्टोन, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, कागिसो रबाडा, भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा, अथर्व तायडे।

एशियाई खेलों में भाग नहीं लेगी भारतीय पुरुष और महिला टीम : बीसीसीआई

-व्यस्तता को बताया कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमें इस साल 23 सितंबर से हांग्जो में होने वाले एशियाई खेलों में भाग नहीं लेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने व्यस्तता को देखते हुए टीम भेजने को लेकर कोई रुचि नहीं दिखायी है। एशियाई खेलें 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक खेले जाएंगे। वहीं भारतीय टीम को इसी साल एकदिवसीय विश्वकप खेलना है।

माना जा रहा है कि बीसीसीआई ने एशियाई खेलों के लिए पुरुष या महिला टीमों में नहीं भेजने का कारण पूर्व की प्रतिबद्धताओं को दिया है। एशियाई खेलों के लिए भारत के शेफ डी मिशन, भूपेंद्र बाजवा ने कहा, हमें एक को छोड़कर सभी खेलों में प्रविष्टियां मिली हैं, क्रिकेट टीम नहीं जा रही है। उन्होंने कहा कि वे व्यस्त हैं जबकि हमने उन्हें ईमेल भेजे थे। अब जब हमें आयोजकों को एंट्री भेजनी है तो उन्होंने कहा कि वे नहीं जाएंगे।

वहीं बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें समय सीमा से एक दिन पहले ही भारतीय ओलंपिक संघ से एक ईमेल मिला था। उन्होंने कहा, हमें समय सीमा से ठीक एक दिन पहले आईओए से ई-मेल मिला था। बीसीसीआई के अनुसार महिला क्रिकेट के लिए भविष्य दौरान कार्यक्रम (एफटीपी) पहले ही तय था। साथ ही कहा कि एशियाई खेलों के दौरान हमारी टीम उपलब्ध नहीं होगी क्योंकि इस समय वे एक टूर्नामेंट में खेल रहे होंगे।

एफटीपी के अनुसार भारतीय टीम को सीमित ओवरों की सीरीज में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना है। वहीं पुरुष टीम को देश में ही अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप में खेलना है। भारत 2010 और 2014 में क्रिकेट एशियाड के दो संस्करणों का हिस्सा रहा है पर उसने दोनों ही मुकाबलों में हिस्सा नहीं लिया था।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में विराट ने बनाये तीन रिकार्ड

-600 चौके लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) की कप्तानी करते हुए विराट कोहली ने तीन अहम रिकार्ड बनाये हैं। इस मैच में कोहली ने 47 गेंदों में 59 रनों की पारी खेली, जिसमें 5 चौके और एक छक्का शामिल रहा। इसके साथ ही कोहली ने आईपीएल में अपने 600 चौके भी पूरे कर लिए हैं। अब उनके नाम 221 पारियों में 602 चौके हो गये हैं। कोहली अब आईपीएल में 600 चौके लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने हैं। चौके लगाने में पहले नंबर पर आगे पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन हैं। धवन के नाम 209 पारियों में 730 चौके हैं।

कोहली ने मैच में 30 रन बनाते ही एक अनोखा इतिहास भी रच दिया है। कोहली आईपीएल इतिहास में ऐसे पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने कुल 100 मैचों में 30 या इससे अधिक रन बनाये हैं। कोहली के अलावा किसी भी अन्य खिलाड़ी के नाम ये उपलब्धि नहीं है। आईपीएल इतिहास में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। कोहली ने इस मैच में डुप्लेसिस के साथ पहले विकेट के लिए 137 रन बनाए।

घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस को हराने उतरेगी लखनऊ सुपरजायंट्स

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस पर जीत के साथ ही अंक तालिका में अपना शीर्ष स्थान बनाये रखने उतरेगी। लखनऊ की टीम को इस मैच में घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा जिससे उसे जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। वहीं विरोधी टीम गुजरात टाइटंस का इस सत्र में अब तक का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उसका लक्ष्य इस मैच में पहले मैच में हार से उबरकर लय हासिल करना रहेगा। गुजरात को पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका मनोबल कमजोर हुआ है जबकि लखनऊ की टीम ने राजस्थान पर जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। दोनो ही टीम अपना दूसरा सत्र खेल रही हैं। गुजरात ने पिछली बार खिताब जीता था। वहीं लखनऊ का प्रदर्शन भी अच्छा रहा था।

इस सत्र में गुजरात की टीम अब तक के मैचों में लक्ष्य का बचाव करते समय कमजोर नजर आयी है। मोहम्मद शमी शुरुआती ओवरों में लगातार विकेट लेने में सफल रहे है पर अल्जारी जोसेफ और जोश लिटिल का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी गेंद और बल्ले से अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। उन्होंने अब तक चार मैचों में केवल एक विकेट लिया है। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहित शर्मा का प्रदर्शन हालांकि अच्छा रहा है। स्पिनर के तौर पर राशिद खान का प्रदर्शन अच्छा रहा है। टीम के पास शुभमन गिल, डेविड मिलर और साई सुदर्शन जैसे अच्छे हैं। टीम के गेंदबाजों को सुपरजायंट्स के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए और बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। लखनऊ के पास काइल मेयर्स, निकोलस पूरन और मार्कस स्टोइनिस जैसे बल्लेबाज हैं जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को धवस्त कर सकते हैं। लखनऊ की समस्या कप्तान राहुल और ऑलराउंडर दीपक हुड्डा का खराब प्रदर्शन है। इन दोनो ने ही अब तक इस सत्र में एक भी अच्छी पारी नहीं खेली है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जायंट्स: केएल राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), काइल मेयर्स, दीपक हुड्डा, कृणाल पंड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

गुजरात टाइटंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), शुभमन गिल, कोना भरत, रिद्धिमान साहा, राहुल तेवतिया, अभिनव मनोहर, मोहम्मद शमी, प्रदीप सांगवान, आर साई किशोर, विजय शंकर, साई सुदर्शन, राशिद खान, शिवम मावी, मैथ्यू वेड, ओडियन स्मिथ, उर्विल पटेल, दर्शन नालकांडे, डेविड मिलर, यश दयाल, जयंत यादव, नूर अहमद और अल्जारी जोसेफ।

लामिछाने ने सबसे तेजी से 100 विकेट लेकर राशिद को पीछे छोड़ा

मस्कत । नेपाल के लेग स्पिनर संदीप लामिछाने ने एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेजी से 100 विकेट लेने का रिकार्ड अपने नाम किया है। लामिछाने ने इसके साथ ही अफगानिस्तान के ऑलराउंडर राशिद खान को पीछे छोड़ा है। लामिछाने ने ओमान के खिलाफ एसीसी मेन्स प्रीमियर कप मैच में अपने 42वें मैच में 100 विकेट का आंकड़ा हासिल किया। इस प्रकार वह अफगानिस्तान के ऑलराउंडर राशिद से आगे निकल गये हैं। लामिछाने ने 100 एकदिवसीय विकेट पूरे करने के लिए केवल 42 मैच खेले जबकि राशिद खान ने 2018 में एकदिवसीय में सबसे तेज 100 विकेट लेने के लिए 44 मैच खेले थे। वहीं मिचेल स्टार्क ने 52 मैच जबकि सकलैन मुश्ताक ने 53 मैच और शेन बॉन्ड ने 54 मैचों में अपने 100 विकेट पूरे किये थे।

अर्जुन तेंदुलकर को बदलना होगा गेंदबाजी एक्शन : राशिद लतीफ

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने कहा है कि सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को बेहतर गेंदबाज बनने के लिए अपने एक्शन में बदलाव लाना पड़ेगा। राशिद के अनुसार वर्तमान गेंदबाजी एक्शन के साथ अर्जुन ज्यादा तेज गेंदबाजी नहीं कर सकते। इस पाक क्रिकेटर ने कहा कि तेज गेंदबाजी के लिए उनकी शारीरिक संरचना सही नहीं है। अर्जुन ने मुंबई इंडियंस की ओर से इसी सत्र में शुरुआत की है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज की जहां कई पूर्व दिग्गजों ने तारीफ की है, वहीं दूसरी ओर राशिद का मानना है कि अगर अर्जुन तेंदुलकर एक अच्छे खेलाड़ी बनना चाहते हैं तो उन्हें अपनी तेज गेंदबाजी का आधार बेहतर करना होगा। लतीफ ने कहा, वह (अर्जुन) अपने शुरुआती दौर में है। अभी उसे बहुत मेहनत करनी पड़ेगी, उसकी शारीरिक संरचना अच्छी नहीं है, जिससे वह ज्यादा गति नहीं निकाल पाएंगे। अगर कोई अच्छा बायोमैकेनिकल कंसल्टेंट उनका मार्गदर्शन करता है तो शायद वह अपनी गेंदबाजी में कुछ तेजी ला सकते हैं। यह काफी कठिन विषय है, कोचिंग करना और खिलाड़ी को बदलना। सचिन स्वयं ऐसा कर सकते थे पर उन्होंने इसके लिए घरेलू क्रिकेट पर भरोसा किया। राशिद के अनुसार गेंद फेंकने के दौरान अर्जुन का शरीर अंदर आने के बजाय बाहर जाता है और उनका संतुलन अच्छा नहीं है। यही कारण है कि वह ज्यादा तेजी से गेंद नहीं कर पाते। लतीफ ने कहा कि मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में सचिन के रहने से भी अर्जुन प्रभावित होते हैं। अगर वह किसी और टीम से खेलते तो उनका प्रदर्शन और ज्यादा बेहतर होता। ड्रेसिंग रूम में सचिन के रहने से उनपर मनोवैज्ञानिक दबाब ही पड़ता है जिससे उनकी प्रगति में बाधा आ रही है।

धवन को फिट होने में समय लगेगा, मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलने की संभावना नहीं : गोंजाल्विस

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के क्षेत्ररक्षण कोच ट्रेवर गोंजाल्विस ने कहा है कि टीम के नियमित कप्तान शिखर धवन को पूरी तरह से फिट होने में अभी करीब तीन दिन और लगेंगे। ऐसे में शनिवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले मैच में वह शायद ही खेलें। धवन को गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मैच में चोट लग गयी थी। धवन के बाहर होने से उनकी टीम की बल्लेबाजी कमजोर हुई है। उन्होंने अब तक चार मैचों में 116.50 के औसत से सबसे ज्यादा 233 रन बनाए हैं। धवन की चोट को लेकर कोच ने कहा, ''धवन को फिट होने में करीब दो या तीन दिन और लगने चाहिए।''

वहीं रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ मिली हार को लेकर उन्होंने कहा, ''यह बल्लेबाजी के लिए एक अच्छा विकेट था। हमने उन्हें अच्छे स्कोर पर रोक दिया था पर हमने शुरुआत में ही कुछ विकेट खो दिए जिससे मैच हमारे हाथ से निकल गया।' इस मैच में पंजाब की टीम 175 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.2 ओवर में 150 रन ही बना पायी थी। वहीं आरसीबी के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने 21 रन देकर चार विकेट लेकर पंजाब की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। इसी को लेकर आरसीबी के गेंदबाजी कोच एडम ग्रिफिथ ने कहा, ''सिराज इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है।''

भारत के डी गुकेश फीडे सर्किट लीडरबोर्ड में पहले स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली । पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद के बाद से भारत को उस दूसरे खिलाड़ी का इंतजार है जो विश्व शतरंज चैंपियनशिप की दिशा में आगे बढ़े । खैर भारत को एक अच्छी खबर मिली है की फीडे कैंडिडेट में सीधे एक स्थान देने वाले फीडे सर्किट लीडरबोर्ड में अब एक भारतीय खिलाड़ी पहले स्थान पर पहुँच गया है । विश्व शतरंज चैंपियनशिप साइकल 2024 के अंतर्गत शामिल फीडे सर्किट लीडरबोर्ड में भारत के डी गुकेश पहले स्थान पर पहुँच गए है । भारत के 16 वर्षीय डी गुकेश नें पिछले दिनो मेनोरका ओपन का खिताब जीतने के बाद 10 बहुमूल्य अंक हासिल किए और यूएसए के दिग्गज खिलाड़ी वेसली सो को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है । फिलहाल गुकेश 30.90 अंक के साथ पहले तो वेसली 30.80 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है । इस सूची में नीदरलैंड के अनीश गिरि (29.3 अंक), यूएसए के लेवान अरोनियन (26 अंक) और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसतारोव (22 अंक) क्रमश : तीसरे से पांचवें स्थान पर चल रहे है ।

पाकिस्तान के पास विश्व कप जीतने और तीनों प्रारूपों में नंबर एक टीम बनने की क्षमता: आर्थर

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के नए टीम निदेशक मिकी आर्थर का मानना है कि कप्तान बाबर आजम खेल के दिग्गज खिलाड़ी बनेंगे और उनकी टीम विश्व कप जीतने के साथ सभी प्रारूपों में शीर्ष रैंकिंग पर काबिज होने में सक्षम होगी।

आर्थर ने गुरुवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ एक साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद जब उनसे बतौर कोच (2016 से 2019 के बीच) बाबर का समर्थन करने के बारे में पूछा गया था तो उन्होंने कहा, 'जिस चीज ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह है उसका हाथ, उसके हाथों की गति। जब ग्रांट ब्रैडबर्न ने पहली बार मुझसे कहा कि नेट्स में इस खिलाड़ी को देखो, तो मैं चकित रह गया। मैंने कभी भी उसके हाथ की गति और उसके जैसी प्रतिभा नहीं देखी।'

पाकिस्तान के इस पूर्व कोच ने कहा, 'मुझे पता था कि वह टीम का अहम हिस्सा बनने जा रहा है। मेरा मानना है कि वह अभी नंबर एक बल्लेबाज है और वह एक अद्भुत, कमाल की प्रतिभा है। मुझे अब भी लगता है कि उसके पास सुधार की गुंजाइश है। मैं उसे चुनौती देता रहूंगा। वह इस खेल का दिग्गज बनने जा रहा है।' पाकिस्तान टीम के साथ पूर्णकालिक मुख्य कोच बनने के प्रस्ताव को अस्वीकार करने वाले आर्थर ने कहा कि 'ऑनलाइन कोच जैसी कोई चीज नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'सबसे पहले, ऑनलाइन कोच जैसी कोई चीज नहीं होती है। आप खिलाड़ियों के साथ संबंध बनाते हैं, आप जानते हैं कि खिलाड़ियों को वास्तव में क्या चाहिए और आप उन्हें देते हैं।' टीम के साथ एक बार फिर जुड़ने पर आर्थर ने कहा, 'यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। फिर से वापस आना और टीम के लिए करना अच्छा है। उम्मीद है कि हम विश्व कप जीतेंगे। यह हमें खेल के सभी प्रारूपों में दुनिया में नंबर एक पर पहुंचाएगे क्योंकि हमारे पास निश्चित रूप से प्रतिभा है, निश्चित रूप से खिलाड़ी हैं।'

इगा स्वियातेक क्वार्टर फाइनल में, कोको गॉफ बाहर

स्टुटगार्ट। शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी वाली इगा स्वियातेक ने पसली की चोट से उबरने के बाद शानदार वापसी करके झेंग किनवेन को 6-1, 6-4 से हराकर पोर्श ग्रां प्री टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया, लेकिन कोको गॉफ आगे बढ़ने में नाकाम रही। स्वियातेक ने इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद कोई मैच नहीं खेला था। उन्हें यहां पहले दौर में बाई मिली थी। उनका अगला मुकाबला कारोलिना प्लिस्कोवा से होगा, जिन्होंने चेक गणराज्य की डोना वेकिच को 6-2, 6-7 (5), 7-6 (5) से हराया। इस बीच अनास्तासिया पोटापोवा ने छठी रैंकिंग की खिलाड़ी गॉफ को 6-2, 6-3 से उलटफेर का शिकार बनाया। पोटापोवा का सामना अब चौथी वरीयता प्राप्त कैरोलिन गार्सिया से होगा, जिन्होंने तात्जाना मारिया को 7-6 (5), 6-4 से पराजित किया। पाउला बडोसा ने अपने दूसरे दौर के मैच में हमवतन स्पेनिश खिलाड़ी क्रिस्टीना बुक्सा को 6-1, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से होगा। इलेना रायबाकिना के आधे में से हट जाने के कारण ब्राजील की बीट्रीज़ हद्दाद माइया ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ओंस जाबूर जी अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रही।

मैं खेलने के लिए खुद को सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रखने का प्रयास कर रहा हूं: जोफा आर्चर

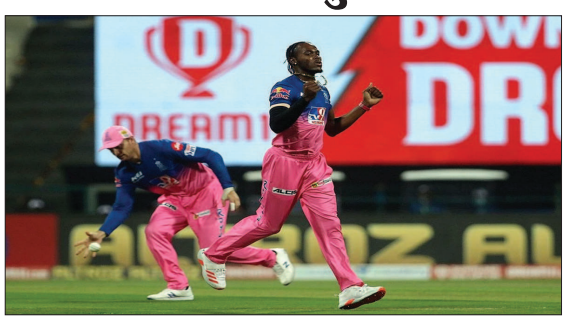

नयी दिल्ली (एजेंसी)। चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के चार मैचों में नहीं खेल पाने वाले तेज गेंदबाज जोफा आर्चर ने कहा कि वह मुंबई इंडियंस की अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए खुद को सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रखने का प्रयास कर रहे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर इंग्लैंड के इस 28 वर्षीय तेज गेंदबाज ने कहा कि अभी वह अच्छा महसूस करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आर्चर मुंबई इंडियंस की तरफ से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ पहले मैच में खेले थे लेकिन इसके बाद दाहिनी कोहनी की चोट के कारण उन्हें बाहर बैठना पड़ा।

मुंबई ने उन्हें आईपीएल 2022 से पहले नीलामी में खरीदा था लेकिन चोट के कारण वह वर्तमान सत्र से पहले तक इस फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई मैच नहीं खेल पाए थे। आर्चर ने कहा,'' निश्चित तौर पर पिछले दो सप्ताह वैसे नहीं रहे जैसे आप पूरी तरह सक्रिय होने पर चाहते हैं। लेकिन जब आप लंबे समय तक बाहर रहते हैं तो फिर आप एकदम से शत प्रतिशत फिटनेस हासिल करने की उम्मीद नहीं कर सकते हैं।''

उन्होंने कहा,'' कभी ऐसे पल भी आ रहे हैं जब आपको लग रहा है कि यह वास्तव में गंभीर है। मैं नहीं जानता कि मेरा अगला मैच कौन सा होगा लेकिन मैं (खेलने के लिए) खुद को सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रखने का प्रयास कर रहा हूं।'' आर्चर ने कहा,'' ईमानदारी से कहूं तो मैं अभी जितनी तेजी से हो सके गेंदबाजी करना चाहता हूं लेकिन जब आप अच्छा महसूस करते हैं तो अच्छी गेंदबाजी भी करते हैं। अभी मैं केवल अच्छा महसूस करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।

पीएम मोदी स्वागत कार्यक्रम के 20 वर्ष पूर्ण होने के अवसर लाभार्थियों से करेंगे संवाद

अहमदाबाद ।

वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए राज्य के सामान्य नागरिकों की समस्याओं का उचित आधार पर समयबद्ध त्वरित निवारण लाने के लिए जनहितकारी भावना से देशभर में प्रथम नवीन अभिगम 'स्वागत' कार्यक्रम गुजरात में 24 अप्रैल 2003 से शुरू किया था। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके द्वारा शुरू की गई जन शिकायतों के निवारण की यह पहल स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रिवेंसिस बाय एप्लिकेशन ऑफ़ टेक्नोलॉजी स्वागत कार्यक्रम ने अब तो विश्व में गुड गवर्नेंस की अग्रणी मार्गदर्शक पहल के रूप में ख्याति प्राप्त की है। ऑनलाइन जन शिकायत निवारण का यह अभिगम स्वागत 24 अप्रैल को दो दशकों की मंजिल को पार कर 21वें वर्ष में प्रवेश करेगा। तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2003 से स्वागत के अंतर्गत हर माह के चौथे गुरुवार को शिकायत निवारण दिवस के तौर स्थापित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वागत के दो दशक सफलता के साथ पूर्ण होने के इस अवसर पर 27 अप्रैल आगामी गुरुवार को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय स्वागत कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से ऑनलाइन सहभागी होंगे। इतना ही नहीं, स्वागत की सफलता के फलस्वरूप जिन नागरिकों तथा समुदायों की समस्याओं का सुचारू निवारण आया है , उन लाभार्थियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संवाद भी करेंगे। प्रधानमंत्री स्वागत के 21वें वर्ष के अवसर पर राज्य के जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेरणा तथा मार्गदर्शन देंगे। नरेन्द्र मोदी ने ऐसी संवेदनशील परिपाटी विकसित की है कि मुख्यमंत्री स्वयं इस 'स्वागत' कार्यक्रम में उपस्थित रह कर आवेदक नागरिकों की शिकायतें सुनें और उनका उचित निवारण लाएँ। नागरिकों को अपनी शिकायतों और अभ्यावेदन के लिए स्थानीय शिकायतों के साथ उच्च स्तर या सचिवालय तक नहीं आना पड़े ऐसी सुदृढ़ स्थिति के निर्माण में यह स्वागत कार्यक्रम मील का पत्थर बन गया है।

प्रधानमंत्री के द्वारा स्थापित की गयी सुशासन की इस परम्परा को अधिक तीव्र गति से आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह को स्वागत सप्ताह के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल इस स्वागत सप्ताह के तहत अप्रैल माह के अंतिम गुरुवार ,27 अप्रैल को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ऑनलाइन उपस्थिति में आयोजित राज्यस्तरीय स्वागत कार्यक्रम में शामिल होंगे साथ ही ज़िला एवं तहसील स्वागत में सप्ताह के दौरान प्रस्तुत की गयी समस्याओं तथा उनके निवारण की कार्यशैली की समीक्षा भी करेंगे।

बेटे ने पिता की हत्या कर नाले में दफना दिया, जानवरों ने लाश निकाल कर फाड़ खाई

मोरबी।

मोरबी के वाघगढ़ में युवक ने अपने पिता की हत्या कर दी और उसके बाद खेत के बगल स्थित नाले में उनका शव दफना दिया। लेकिन जानवरों ने दफन लाश को बाहर निकालकर फाड़ खाया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक मोरबी जिले की टंकारा तहसील के वाघगढ़ पप्पू नामक युवक ने 62 वर्षीय अपने पिता हीराभाई डावरा की हत्या कर दी। हत्या के बाद उनका शव खेत के बगल स्थित नाले में दफना दिया। लेकिन जानवरों ने शव को बाहर निकाला और फाड़ खाया। पुलिस ने शव को फोरेंसिक पोस्टमार्टम करवाया। जिसकी रिपोर्ट में पता चला कि मृतक की सिर में धारदार हथियार मारकर हत्या की गई है। इस खुलासे के बाद पुलिस ने वाघगढ़ निवासी 50 वर्षीय राजेश पटेल की शिकायत के आधार पर हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। मृतक हीराभाई डावरा इन्हीं राजेश पटेल के खेत में काम किया करते थे। जांच में खुलासा हुआ है हीराभाई की हत्या उनके बेटे पप्पू डावरा ने की है। पुलिस ने पप्पू डावरा को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू की। पूछताछ में खुलासा हुआ कि पप्पू ने अपनी शादी के लिए रुपए जमा किए थे। उन रुपयों को हीराभाई डावरा ने किसी अन्य व्यक्ति को दे दिया था। जिसे लेकर पिता-पुत्र के बीच उग्र कहासुनी हुई थी। उसी दौरान पप्पू ने कुल्हाडी से अपने पिता हीराभाई डावरा के सिर में प्रहार कर दिया। जिसमें हीराभाई डावरा की मौत हो गई। जिसके बाद पप्पू ने पिता के शव को खेत के बगल स्थित नाले में दफना दिया।

टाटा आईपीएल के पहले से कहीं ज्यादा बड़ा, आकर्षक और ग्लैमरस हो गया है

सूरत भूमि, सूरत।

सीटियों, तालियों, रंग-बिरंगे चेहरों, चीखों, पागल स्टंटों के साथ, प्रशंसकों के साथ यही हो रहा है! आईपीएल 2023 क्रिकेट, पसंदीदा टीमों और अन्य के लिए अपने प्यार को व्यक्त करने के लिए प्रशंसकों को फैन पार्कों की ओर आकर्षित करता है। 45 शहरों में इन प्रशंसकों को छूते हुए, फैन पार्क्स देश भर में आईपीएल की दीवानगी को संभालने के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्रत्येक स्थल लाइव एक्शन का प्रसारण करेगा, जिसमें हर पल को एक विशाल स्क्रीन पर कैद किया जाएगा, जिससे प्रशंसकों को स्टेडियम जैसा अनुभव मिलेगा। कोई भी क्रिकेट प्रेमी इस अवसर को गंवाना नहीं चाहेगा क्योंकि प्रवेश बिल्कुल मुफ्त है और संगीत के साथ मजा और उत्साह दोगुना हो जाएगा। आईपीएल के आधिकारिक प्रायोजकों द्वारा मर्चेंडाइज, फूड स्टॉल, कोल्ड ड्रिंक और कुछ मजेदार गतिविधियां भी शामिल हैं। इतनी मस्ती के साथ, प्रशंसकों को पहले से ही ऐसा महसूस हो सकता है जैसे वे अपनी टीमों को चीयर करने के लिए स्टेडियम में मौजूद हों। मस्ती और उत्साह बढ़ाने के लिए, फैन पार्कों में आने वाले दर्शकों को अपनी पसंदीदा टीम, खिलाड़ी या क्रिकेट के लिए अपने जुनून को व्यक्त करने का अधिकार होगा। जो भी पागल प्रशंसक साबित होगा वह फाइनल का टिकट जीतेगा।

हर सीजन पिछले वाले से बड़ा साबित होता है। इस बार 5 लाख से अधिक क्रिकेट प्रशंसकों के आने की संभावना है और प्रशंसक पार्कों में पागलपन का अनुभव करेंगे।

सीमाओं पर हिट, हैट-ट्रिक और स्पिन देखने के लिए अपने शहर के निकटतम फैन पार्कों में अपने पागलपन का आनंद लें। खैर, उलटी गिनती अब शुरू हो चुकी है।

अपील भी तुम, दलील भी तुम, गवाह भी तुम, वकील भी तुमः ओवैसी

अहमदाबाद । नरोदा पाटिया नरसंहार मामले में गुरुवार को स्पेशल कोर्ट ने सभी 67 अभियुक्तों को बरी कर दिया। कोर्ट के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कवि राहत इंदौरी की एक कविता की मदद से गुजरात की सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा है कि अपील भी तुम, दलील भी तुम, गवाह भी तुम, वकील भी तुम। अहमदाबाद की एक विशेष अदालत द्वारा बरी किए जाने की घोषणा के घंटों बाद ओवैसी ने गुरुवार रात ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, जिधर से गुजरो धुआं बिच्छा दो, जहां भी पाहुंचो धमाल कर दो। तुम्हें सियासत ने हक दिया है, हरी जमीन को लाल कर दो। अपील भी तुम, दलील भी तुम, गवाह भी तुम, वकील भी तुम। जिसे भी चाहो हराम कह दो, जिसे भी चाहो हलाल कर दो।गौरतलब है कि अदालत द्वारा बरी किए गए लोगों में भाजपा की पूर्व विधायक माया कोडनानी और बजरंग दल के पूर्व नेता बाबू बजरंगी भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 18 अन्य अभियुक्तों की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो गई। एक व्यक्ति को गलत पहचान के कारण 2009 में रिहा कर दिया गया था।

साबरमती एक्सप्रेस में आग लगा दी गई थी। इसमें सवार 58 कारसेवक गोधरा में जलकर मारे गए थे। इसके बाद अहमदाबाद के नरोदा गाम में भीड़ द्वारा ग्यारह मुसलमानों को मार डाला गया था। 2008 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 86 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। विशेष न्यायाधीश शुबदा बक्शी ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए सभी अभियुक्तों को बरी कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शहर के भादरा सिविल और सत्र न्यायालय परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी। बरी हुए लोगों के रिश्तेदारों ने जय श्री राम और भारत माता की जय के नारों के साथ फैसले का स्वागत किया। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने इसे काला दिन बताया।

भगवान महावीर विश्वविद्यालय परिसर में युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी का आज 2000 विद्यार्थियों सहित ट्रस्टी मंडल द्वारा स्वागत किया जाएगा

9 दिनों तक विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे

सूरत।

सूरत शहर पहुंचकर आचार्य महाश्रमणजी 22 अप्रैल को पर्वत पटिया से भगवान महावीर विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश करेंगे। इस बीच, अणुव्रत द्वार से कैनाल रोड होते हुए विश्वविद्यालय परिसर तक लगभग 2000 छात्रों के साथ एक विशाल रैली का आयोजन किया गया है। भगवान महावीर विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रोफेसर संजय जैन ने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि आचार्य महाश्रमजी अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर दस दिवसीय प्रवास के लिए सूरत आने वाले हैं।

महाश्रमजी दस दिनों के लिए भगवान महावीर विश्वविद्यालय, पतंगन में रहने वाले हैं। कल 22 अप्रैल को सुबह 7 बजे पर्वत पटिया तेरापंथ भवन से अणुव्रत गेट से होते हुए 10 बजे कैनाल रोड से 2000 छात्रों के साथ विशाल रैली के रूप में भगवान महावीर विश्वविद्यालय में प्रवेश करेगी। साथ ही यहां 150 साधु-सन्यासी तीर्थ यात्रा पर आएंगे। उनके लगभग 1200 अनुयायियों और भक्तों ने वर्षीतप तपस्या की उनकी अक्षय तृतीया सामूहिक पार के आचार्य श्री के हाथों होगी। इस नजारे को देखने के लिए यहां काफी भीड़ मौजूद रहेगी। आचार्य महाश्रमणजी का भव्य नागरिक स्वागत 24 को होगा।

भगवान महावीर एजुकेशन फाउंडेशन के संस्थापक एवं प्रबंध ट्रस्टी अनिल जैन ने कहा कि हमारे परम स्नेही आचार्य महाश्रमणजी अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान महावीर विश्वविद्यालय परिसर में आ रहे हैं। विवि परिसर में उनका स्वागत किया जाएगा।

इस स्वागत कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र और कर्मचारी परिवार शामिल हैं। परिसर के पंडालों में सूरत के निवासियों से भी उम्मीद की जाती है कि वे आचार्य महाश्रमणजी को भगवान के रूप में सुनें और उनके प्रवचन सुनें। दौरे के दौरान महाश्रमणजी को पंद्रह दिन सूरत में रुकना है। उन दिनों में से नौ दिन भगवान महावीर परिसर पतंगन में व्यतीत होंगे। 22 अप्रैल को विभिन्न कार्यक्रमों में महाराज महाश्रमणजी का व्याख्यान होगा, 23 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर पारण महोत्सव होगा। 24 अप्रैल को शहर के गणमान्य अतिथियों के स्वागत का कार्यक्रम होगा।

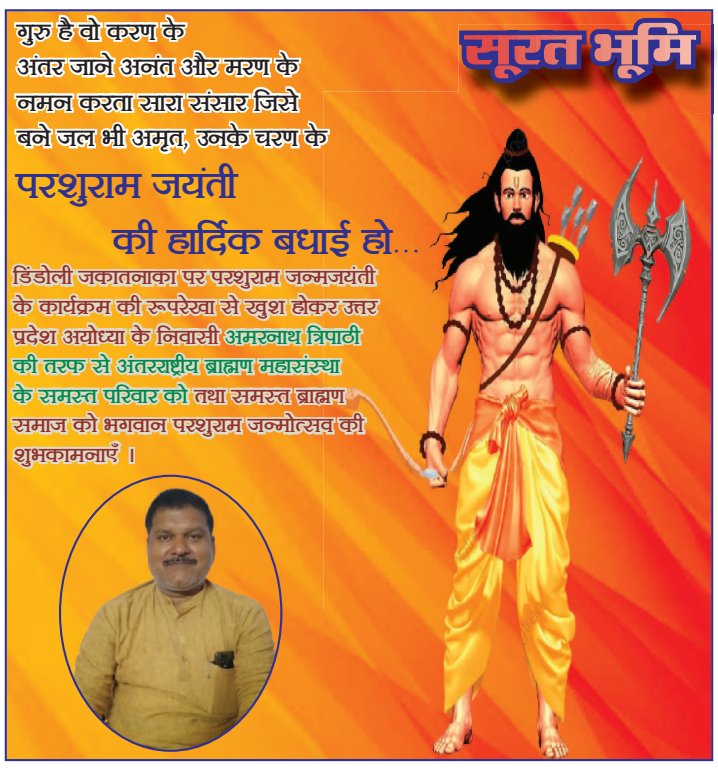

सूरत में 23 अप्रैल को 1111 वर्षी तप पारणा का आयोजन

वाव के एक ही परिवार से 11 तपस्वी वर्षीतप तपस्या की आचार्य महाश्रमण जी को करेंगे भेंट

सूरत भूमि, सूरत।

सूरत की धरती पर 23 अप्रैल को जैन धर्म के तेरापंथ शासन की सदियों पुरानी परंपरा रही वर्षीतप तपस्या के पारणा किए जाएंगे। जैन धर्मसंघ के 11वें आचार्य श्री महाश्रमण जी 1111 वर्षीतप तपस्वियों को गन्ने के रस से पारणा कराएंगे। इस अवसर पर गुजरात वाव के एक ही परिवार (संघवी लक्ष्मी बेन छोटालाल परिवार) की ओर से 11 वर्षीतप तपस्या की आचार्य महाश्रमण जी को भेंट की जाएगी।

जैन धर्म के पहले तीर्थंकर नाभीराजा के पुत्र ऋषभदेव भगवान से शुरू अनंत काल से प्रभावशाली दीर्घ तप की परंपरा यानी वर्षीतप है। जैन धर्म में वर्षीतप तपस्या एक अलग ही महत्व है। जिन पर भगवान और गुरु की कृपा हो वहीं यह कठिन तप पूर्ण कर पाता है। 13 महीने से अधिक और 400 दिन तक चलने वाले वर्षीतप की शुरुआत फाल्गुन वद 8 के दिन से शुरुआत होती है और वैशाख सूद 2 तक यह तप चलता है। वैशाख सुद 3 यानी अक्षय तृतीया के दिन गन्ने के रस का आचमन कर वर्षीतप के तपस्वी पारणा करते हैं। इस तप के दौरान एक दिन उपवास और एक दिन बैठक करनी होती है। उपवास में सूर्योदय से सूर्यास्त तक सिर्फ उबला हुआ पानी पीना होता है और दूसरे दिन सूर्योदय से सूर्यास्त तक दो बार बैठकर भोजन करना होता है। उसके बाद तीसरे दिन फिर उपवास रखना होता है। इस तरह 13 महीने से भी अधिक समय तक तप करना होता है। इस बार सूरत की पावन भूमि पर जैन धर्म में तेरापंथ शासन के 11वें आचार्य श्री महाश्रमण जी ने महती कृपा कर अक्षय तृतीया महोत्सव सूरत को फ़रमाया है । उनके वचन अनुसार सूरत एवं समग्र भारत के धर्म प्रेमी भाई - बहनों ने 1111 से अधिक वर्षीतप की साधना कर एक इतिहास बनाया है। सूरत के वर्षीतप के तपस्वियों में सबसे कम उम्र की 10 वर्ष की बच्ची और सबसे अधिक उम्र 92 वर्ष के वृद्ध तपस्वी शामिल हैं। इसके अलावा कई दंपतियों ने इस तप के जरिए आराधना की है तो गुजरात के वाव के संघवी लक्ष्मी बेन छोटालाल परिवार से 11 लोगों ने वर्षीतप की तपस्या परिपूर्ण कर तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें आचार्य श्री महाश्रमण जी को वर्षीतप आराधना कर इस महान तप की भेंट की है। 1111 से अधिक वर्षीतप के तपस्वी भाई - बहन वैशाख सुद 3 रविवार को आचार्य श्री महाश्रमण जी के इक्षु रस से सुपात्र दान का लाभ लेकर गन्ने के रस का आचमन कर पारणा करेंगे और जैन शासन में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे। तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें आचार्य श्री महाश्रमण जी 21 अप्रैल से 5 मई तक सूरत की भूमि को पावन करेंगे। उसके बाद चातुर्मास के लिए मुंबई की ओर विहार करेंगे।

अपनो के साथ का जश्न मनाने के लिए आधुनिक प्रेम को प्रकट करने वाले उत्कृष्ट रूप से तैयार किए गए प्लेटिनम लव बैंड्स से चुनें अपनी पसंद

सूरत 21 अप्रैल 2023 = जैसे-जैसे गर्मियाँ आ रही हैं, वैसे-वैसे गर्मियों की शादी का मौसम शुरू हो गया है क्योंकि प्रेमी युगल अपने प्यार के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह एक ऐसा समय है जब दो व्यक्ति एक-दूसरे के लिए प्रतिबद्ध होते हैं, एक-दूसरे को तलाश करने की यात्रा से गुजरते हैं और यह पता लगाते हैं कि उनके रिश्ते को क्या खास बनाता है। करुणा, सम्मान, समानता और दोस्ती पर आधारित रिश्ते एक दुर्लभ और कीमती धातु के पात्र हैं, जो जीवन भर साथ रहने और प्रतिबद्धता की दिशा में उनके पहले कदम की याद दिलाते हैं। प्लेटिनम, अपने खगोलीय मूल और कालातीत प्रकृति के साथ, लचीलेपन का प्रतिनिधित्व करता है जो इन प्रेमी जुगलों के बंधन को परिभाषित करता है।

पीजीआई का प्लेटिनम लव बैंड्स सीज़न का संग्रह आधुनिक प्रेम के सार को दर्शाता है, जहां पार्टनर एक-दूसरे के व्यक्तित्व का सम्मान करते हैं, एक-दूसरे की उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं, और भूमिकाओं और लिंग से परे जिम्मेदारियों को समान रूप से साझा करते हैं। यह संग्रह एक युवा और विकसित दर्शकों को आकर्षित करता है जो अपने विशेष क्षणों को अद्वितीय और सार्थक प्रेम बैंड के साथ चिह्नित करना चाहते हैं जो उनके नए युग के रिश्तों के मूल्यों को मूर्त रूप देते हैं। संग्रह की डिजाइन अद्वितीय है, समर्थन और प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करने वाले रूपांकनों के साथ, दोहरी-टोंड द्रव रेखाएं एकता का प्रतीक हैं, और परस्पर सम्मान को दर्शाने वाले प्रतिच्छेदन पैटर्न हैं।

95त्न शुद्धता के साथ तैयार किया गया, प्लेटिनम लव बैंड न केवल सुंदर हैं बल्कि युगलों द्वारा साझा की गई प्रतिबद्धता और प्यार का प्रतीक भी हैं। सेलिब्रिटी का पसंदीदा, प्लेटिनम लव बैंड्स को लंबे समय से प्यार की धातु के रूप में जाना जाता है। ऐनी हैथवे और एरियन ग्रांडे से लेकर बियॉन्से तक, जेनिफर लोपेज और प्रियंका चोपड़ा ने अपनी सगाई में प्लेटिनम की अंगूठी सेट लिया है।

इस गर्मी के शादी के मौसम में, जैसा कि आप अपने द्वारा साझा किए जाने वाले दुर्लभ प्यार को परिभाषित करने और उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए आदर्श मार्कर के लिए स्काउट करते हैं, उत्कृष्ट रूप से तैयार किए गए प्लेटिनम लव बैंड की एक श्रृंखला से चुनें

इन प्लेटिनम लव बैंड्स पर द्रव रेखाएं अंत तक चलती हैं, जो धातु की विभिन्न परतों को रेखांकित करती हैं जो एक साथ खड़ी होती हैं। जो दिखता है कि इतने अलग होने के बावजूद आप एक दूसरे के साथ तालमेल बिठाना कैसे चुनते हैं। और यह आपको एक ताकत बनाता है। ये प्लेटिनम लव बैंड 95त्न शुद्ध प्लैटिनम के साथ तैयार किए गए हैं, एक धातु जो केवल कुछ चुनिंदा स्थानों में पाई जाती है और इसलिए, वास्तव में दुर्लभ है। आपके दुर्लभ प्रेम की तरह एक आदर्श प्रस्तुत करता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)